ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 4, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 299 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
05 मई 2026 मंगलवार

आज का मौसम
40.4 अधिकतम
21.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस, न तो सुधरी है ... और न ही सुधरेगी...

भाजपा तो इस वक्त जीत की पालकी पर सवार है। विजय का खुमार है...। कहीं आत्मविश्वास है तो कहीं अति आत्मविश्वास भी सवार है। लेकिन यह सब चलता है। पार्टी का हक भी बनता है। आखिर ऐसी बंपर जीत के बाद अहंकार की हद तक गुजर जाना भी कुछ देर या दिनों को लिए ही सही, लाजिमी है। लेकिन देश की सबसे बड़ी फैमिली पार्टी कांग्रेस को क्या हो गया है? ममता बनर्जी को करारी हार से मिला दर्द और खीझ भी समझ में आती है, लेकिन कांग्रेस के विलाप के क्या मायने हैं? राहुल गांधी ने अपनी मस्कट की विदेश यात्रा के दौरान वोट चोरी का जो राग फिर से अलापा है, वह अपेक्षित ही था। लेकिन, चुनावी नतीजे इस देश के परिपक्व होते लोकतंत्र की कहानी को भी बयां करते है। साथ में इस कवायद का यह निचोड़ भी कि गांधीवादी कांग्रेस (महात्मा गांधी वाली कांग्रेस कतई नहीं) नहीं सुधरने वाली। राहुल गांधी को न देश की नब्ज की समझ है और न वह समझने को तैयार है। यानि चाहे जो हो अंजाम, वह न सुधरेंगे। एक राजनीतिक प्रेक्षक के नाते मैंने मतदान पूरा होने के बाद अपने आकलन में लिखा था कि बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की सरकार बनना लगभग तय है। तमिलनाडू में कांग्रेस के समर्थन वाली डीएमके के स्टालिन भाजपा के सहयोग से मैदान में डटी अन्ना डीएमके पर भारी पड़ेगी। केरल में कांग्रेस समर्थित मोर्चा यानी यूडीएफ की संभावनाओं और उसके कारकों और कारणों के बारे में भी प्रकाश डाला था। यह भी कहा था कि दक्षिण भारत के युवा लोकप्रिय अभिनेता थलपति विजय की टीवीके पार्टी डीएमके की संभावनाओं पर पानी फेर सकती है। विजय इस जंग के किंग मेकर साबित हो सकते हैं। लेकिन

वह किंग मेकर तो छोड़िए किंग ही बन गए।

बहरहाल, वापस लौटते हैं चार राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्र यानि पुडुचेरी के नतीजों से हटकर कांग्रेस की प्रतिक्रिया के विश्लेषण पर। कांग्रेस का इन दिनों मतलब किसी और से नहीं राहुल गांधी से ही है। आपातकाल के दौरान देवकांत बरूआ जैसे चापलूसों ने कहा था कि 'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा' लेकिन यह तब की बात थी कि जब अदालत से खीझीं इंदिरा गांधी जी आपातकाल के शेर पर सवार थीं। विपक्ष की आवाज दबा दी गई थी। बावजूद इस सबके कांग्रेस का अपना वजूद था। आज क्या है? इसे बताने की जरूरत नहीं है। हैरत इस बात को लेकर है कि राहुल गांधी पर 'राहुल इज इंडिया और इंडिया इज राहुल' वाला भाव भला क्यों सवार हैं? उनको घेरकर बैठी उस कॉकस मंडली ने उनके दिलोदिमाग में इंदिराजी वाला यही भाव भला किस आधार पर भर रखा है?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

वक्त-दर-वक्त बदलते राहुल के राग

कभी जातिगत जनगणना और उसके मुताबिक आरक्षण की गैर संवैधानिक मांग तो कभी भाजपा की नफरत के खिलाफ मोहब्बत की दुकान...। कभी सीबीआई और ईडी पर हमला तो कभी चुनाव आयोग चोर...। कभी नरेंद्र मोदी चोर, कभी चौकीदार चोर तो कभी नरेंदर सरेंडर...। फेहरिस्त लम्बी है। लेकिन, उनका सबसे ताजा जुमला वोट चोरी का है। वह बंगाल में वोट चोरी की बात कहकर ममता से सहानुभूति जता रहे हैं। चुनाव आयोग पर वोट चोरी की तोहमत को फिर दोहरा रहे हैं। क्या उन्होंने सोचा है कि यदि चुनाव आयोग वोट चोरी कर रहा था तो केरल में उनकी पार्टी की अगुआई में यूडीएफ की भारी भरकम वोट से सरकार कैसे बनने जा रही है? तमिलनाडू में भाजपा का खाता नहीं खुला और कांग्रेस की सीटें बढ़ीं। थलपति विजय की नई नवेली पार्टी को सबसे ज्यादा (107) सीटें मिलने में भी चुनाव आयोग की वोट चोरी का कोई मंतव्य छुपा था? बंगाल में पिछली बार कांग्रेस का खाता नहीं खुला था, लेकिन इस बार दो सीटें उसे मिली। लेफ्ट का खाता भी बंगाल में खुला तो क्या इसमें भी चुनाव आयोग की वोट चोरी ही है?

एसआईआर पर सवाल और लगते आरोपों की हकीकत

विशेष मतदाता सूची के संशोधन की बात करें जिसे राहुल वोट चोरी कहते हैं, या चुनाव आयोग इसे मतदाता सूची का शुद्धिकरण मानता है। इसे सबसे विवादित राज्य यानी बंगाल के आंकड़ों से ही समझा जा सकता है कि यह वोट चोरी की प्रक्रिया थी या शुद्धिकरण की? बंगाल में अप्रैल 2026 के चुनाव के पहले 7 करोड़ 66 लाख मतदाता थे। एसआईआर के बाद मतदाता सूची में नाम काटने और जोडने की नियम और संविधान सम्मत प्रक्रिया के बाद कुल 91 लाख वोट कम हुए। इसके बाद पौने सात करोड़ मतदाताओं की नई सूची के जरिए मतदान हुआ जिसके चलते वोट प्रतिशत 92 के पार जा पहुंचा। बंगाल में जो 91 लाख वोट कम हुए तो उसमें 57 लाख 47 हजार वोट हिंदु मतदाताओं के घटे और 31लाख एक हजार मुस्लिम मतदाताओं के। यानी बंगाल में मतदाताओं की संख्या में आई कमी में 63 फीसदी हिंदु और 34 फीसदी मुस्लिम नाम शरीक थे। इसे राहुल या उनके हमराह विपक्षी क्या मानेंगे? इन सवालों का कोई जवाब राहुल गांधी की कांग्रेस या उनकी कोर मंडली के पास है? क्या इन तमाम चुनाव नतीजों में जनता के मनोभावों का प्रकटीकरण नहीं है। उनके वोट में तब्दील होने में देश की जनता का कोई हाथ नहीं है ? क्या कांग्रेस जनता को अपनी खानदानी बपौती मानती है? यदि राहुल यही सोच रहे हैं तो यह आत्मघात है। कांग्रेस जैसी कभी देश की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी पार्टी को उस गहरे समंदर के मुहाने की ओर ले जाने का प्रयास है, जिसमें पहुंचने के बाद वापसी का रास्ता दिन-ब-दिन कठिन होता जाएगा।

ममता के 12 मंत्री भी नहीं बचा पाए अपनी सीट, तमिलनाडु में स्टालिन का इस्तीफा

बंगाल में 9 मई से कमल राज शपथ ग्रहण में जा सकते हैं मोदी

कोलकाता/चेन्नई, एजेंसी

बंगाल के इतिहास में पहली बार बनने वाली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण 9 मई को होगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने यह जानकारी दी है। इसी दिन रवींद्र नाथ टैगोर की 165वीं जयंती है। दरअसल बांग्ला कैलेंडर के मुताबिक यह तिथि 25 वैशाख को होती है जो आमतौर पर मई के दूसरे हफ्ते में पड़ती है। शपथग्रहण में कौन-कौन आएगा और मुख्यमंत्री कौन होगा, अभी इनका खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि माना जा रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसमें शामिल होंगे उधर , तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस्तीफा दे दिया है। स्टालिन ने कहा है कि डीएमके एक मजबूत विपक्षी पार्टी के तौर पर काम करेगी।

पश्चिम बंगाल में भाजपा ने चूँकि बिना चेहरे के चुनाव लड़ा था इसलिए अब मुख्यमंत्री के नाम को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी हैं। संभावित नामों में सुवेंदु अधिकारी,

सुकांत मजूमदार, दिलीप घोष और समिक भट्टाचार्य का नाम सबसे आगे है। इस बात की भी चर्चा है की पार्टी किसी महिला चेहरे पर दांव लगा सकती है। प्रदेश में भाजपा ने 293 में से 206 सीटें जीतकर करीब 70 फ़ीसदी का स्ट्राइक रेट हासिल किया। वहीं, टीएमसी 81 सीटों पर सिमट गई और उसका स्ट्राइक रेट करीब 27.6 फ़ीसदी रहा। सीएम ममता तो अपनी भवानीपुर सीट से हारी हीं उनके 12 मंत्री भी चुनाव हार गए। ममता के पास होम मिनिस्ट्री समेत सात महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी थी। महिला और बाल कल्याण मंत्री शशि पांजा के अलावा उदयन गुहा, ब्रत्य बसु, चंद्रिमा भट्टाचार्य, सुजीत बसु, सिद्दीकुल्लाह चौधरी, रथिन घोष, बेचाराम मन्ना, बिरबाहा हंसदा और मोलय घटक को हार का सामना करना पड़ा है। 1972 के बाद यह पहला मौका है जब पश्चिम बंगाल में ऐसी पार्टी की सरकार होगी, जो केंद्र में भी सत्ता में है। 1972 में राज्य में कांग्रेस ने 216 सीटें जीतीं थीं और उस वक्त केंद्र में इंदिरा गांधी की सरकार थी। बांग्लादेश सीमा, घुसपैठ और प्रशासनिक नियंत्रण जैसे मुद्दों पर भी सख्ती हो सकती है।

विजय ने किया सरकार बनाने का दावा दो हफ्ते में बहुमत साबित करेंगे

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर करने वाले एक्टर विजय ने विजय ने राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर को पत्र लिखकर सरकार बनाने के लिए आमंत्रण मांगा है। उन्होंने राज्यपाल से शपथ ग्रहण के लिए बुलाने की अपील की है। सूत्रों के मुताबिक, यह पत्र राजभवन को ईमेल के जरिए भेजा गया है। पत्र में विजय ने कहा है कि पार्टी दो हफ्ते के भीतर बहुमत साबित कर देगी। आज विजय के कार्यालय में विजयी उम्मीदवारों से मिलने का कर्यक्रम चल रहा है। अब अटकलें इस बात को लेकर हैं कि विजय किसका समर्थन लेंगे। चर्चा है कि वे कांग्रेस का सपोर्ट लेकर छोटे दलों के साथ मिल सकते हैं। कांग्रेस ने पहले ही समर्थन की बात कही है।

सुवेंदु आज दिल्ली में

मुख्यमंत्री पद की दौड़ में आगे चल रहे सुवेंदु अधिकारी नवनिर्वाचित विधायकों के साथ दिल्ली पहुंचेंगे। जहां वे पार्टी के सीनियर नेताओं से मुलाकात करेंगे। बताया जा रहा है कि जिन नेताओं से मिलने का उनका कार्यक्रम है उनमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह प्रमुख हैं।

युद्ध का खतरा... अमेरिका ने होर्मुज में 7 ईरानी नावें डुबोईं

व्यापारिक जहाजों पर हमले का आरोप, ट्रम्प ने दी ईरान को धरती से मिटाने की धमकी

तेल अवीव, वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि उनकी मिलिट्री ने ईरान के 7 छोटी जहाजों को डुबो दिया है। उनके मुताबिक ये होर्मुज से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों पर हमला कर रही थीं। हालांकि, ईरान ने इस पर अभी कोई जवाब नहीं दिया है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान के पास आगे दो ही रास्ते हैं। या तो ईमानदारी से समझौता करे, या फिर दोबारा हमले झेलने के लिए तैयार रहे। उन्होंने धमकी देते हुए कहा कि अगर ईरानी सेना ने अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाने की गलती की तो उन्हें धरती से मिटा दिया जाएगा।

अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास प्रोजेक्ट फ्रीडम ऑपरेशन शुरू किया है। इसके तहत वह वहां गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को सुरक्षा दे रही है। इसी दौरान दोनों देशों के बीच संघर्ष हुआ। ईरान का कहना है कि होर्मुज पर उसका कंट्रोल है, उसकी इजाजत के बिना वे किसी जहाजों को गुजरने नहीं देंगे।

यूएई पर ईरान के हमले में 3 भारतीय घायल, मोदी बोले- नागरिकों को निशाना बनाना मंजूर नहीं

ईरान ने ड्रोन हमले में यूएई के काफी अहम क्षेत्र फुजैराह में तेल संयंत्र को निशाना बनाया है जिस कारण एक तेल संयंत्र में आग लग गई। ईरान के इस हमले में तीन भारतीय नागरिकों के घायल होने की भी खबर सामने आई है। अब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पूरी घटना की निंदा की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर के कहा 'संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर हुए हमलों की हम कड़ी निंदा करते हैं, जिनमें तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं। नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। भारत संयुक्त अरब अमीरात के साथ पूरी तरह एकजुट है और संवाद एवं कूटनीति के माध्यम से सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपना समर्थन दोहराता है। होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दरअसल, सोमवार को ईरान के हमले में यूएई के फुजैराह पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज जोन में आग लग गई।

न्यूज विंडो

चीन की पटाखा फैक्ट्री में हुआ विस्फोट, 21 की मौत

बीजिंग। चीन के हुनान प्रांत के लियुयांग शहर में एक आतिशबाजी निर्माण कारखाने में विस्फोट हो गया। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 61 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

फिलहाल घटनास्थल पर राहत और बचाव का कार्य किया जा रहा है। मौके पर 500 बचावकर्मी मौजूद हैं। वहीं विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, यह विस्फोट लगभग 5 बजे गुआंडू टाउनशिप में स्थित लियुयांग हुआशेंग आतिशबाजी निर्माण और प्रदर्शन कंपनी नामक आतिशबाजी कारखाने में हुआ। वहीं विस्फोट के बाद आपातकालीन और अग्निशमन दल घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर राहत और बचाव का कार्य जारी है।

आज का कार्टून

सड़क हादसा, यूपी पुलिस के पांच जवानों की मौके पर मौत

नूंह, एजेंसी

कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर आज सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा धुलावट टोल प्लाजा के पास करीब सुबह दस बजे हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल तुरंत मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया। मरने वाले पांचों पुलिसकर्मी बताए गए हैं, जो उत्तर प्रदेश के जालौन में तैनात थे। बता दें कि एक स्कॉर्पियो कार पलवल की ओर से आ रही थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि वाहन चालक ने ओवरटेक करने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान गाड़ी असंतुलित हो गई और सामने चल रही दूसरी गाड़ी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कार्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने के बाद चड्ढा बोले- अगला टारगेट मैं

नईदिल्ली, एजेंसी

आम आदमी पार्टी से बीजेपी में शामिल होने वाले सांसदों ने आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और आप सरकार द्वारा उनके खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर चर्चा की। मुलाकात के बाद राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी पर खूब निशाना साधा। उन्होंने कहा, आज हमने राष्ट्रपति को बताया कि पंजाब सरकार किस तरह आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए सांसदों के खिलाफ बदले की राजनीति के लिए सरकारी तंत्र का इस्तेमाल कर रही है। पंजाब पुलिस की मदद से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विश्व कप विजेता हरभजन सिंह के आवास के बाहर 'देशद्रोही' लिखा। इसके बाद पंजाब में पद्मश्री राजेंद्र गुप्ता की फैक्ट्री का पानी का कनेक्शन काट दिया गया। राघव चड्ढा ने दावा किया है कि इनका अगला टारगेट मैं बनूंगा।

लैंबार्गिनी मामले में कारोबारी के बेटे पर चार्जशीट दाखिल

कानपुर, एजेंसी

वीआईपी रोड पर भैरवघाट चौराहे के पास तीन माह पहले लैंबार्गिनी कार से हुए हादसे में ग्वालटोली थाना पुलिस ने तंबाकू कारोबारी के बेटे के खिलाफ 200 पेज की चार्जशीट लगाई है। इसमें सीसी कैमरे और लगभग 10 गवाहों को आधार बनाया है, जिसमें पुलिस ने भी माना कि हादसे के समय तंबाकू कारोबारी का बेटा ही लैंबार्गिनी चला रहा था। वीआईपी रोड पर आठ फरवरी को तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा के बेटे शिवम मिश्रा की लैंबार्गिनी कार सड़क किनारे खड़े आटो और बुलेट को टक्कर मारने के बाद फुटपाथ पर चढ़ गई थी। हादसे में चमनगंज निवासी तौफीक अहमद के पैर में चोट आ गई थी। हादसे के दौरान वह फुटपाथ पर खड़े होकर एक दोस्त का इंतजार कर रहे थे। बुलेट सवार खलासी लाइन निवासी विशाल त्रिपाठी और सोनू त्रिपाठी को भी चोटें आई थीं।

मेट्रो एंकर

यूरोपीय संघ से बाहर के स्टूडेंट्स के लिए लागू किए नए नियम

फ्रांस में पढ़ाई का सस्ता प्लान खत्म, इसी सत्र से देनी होगी मोटी फीस

पेरिस/नई दिल्ली, एजेंसी

फ्रांस अभी तक यूरोप के उन देशों में शामिल रहा है, जहां किफायती दाम में हायर एजुकेशन हासिल की जा सकती थी। मगर अब यहां पर भी फीस बढ़ाने का ऐलान कर दिया गया है। इस देश में अब गैर-यूरोपीय संघ के छात्रों से ज्यादा ट्यूशन फीस वसूली जाएगी। नई फीस अकेडमिक ईयर 2026-27 से लागू हो रही है। सरकार ने नीतिगत बदलाव के तहत ये फैसला लिया है। यूरोप के जो भी देश यूरोपीय संघ का हिस्सा हैं, उनके छात्रों को इन मुल्कों में पढ़ने पर कम फीस देनी होती है। मगर जब कोई विदेशी छात्र फ्रांस जैसे यूरोपीय संघ के देशों में पढ़ने आता है, तो उसे ज्यादा राशि खर्च करनी पड़ती है। फिर भी ये फीस अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों की तुलना में कम रही है।

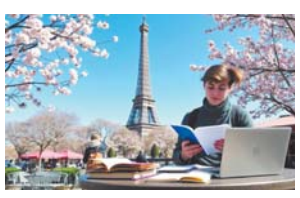

पाई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, नए नियमों के तहत अब बैचलर्स प्रोग्राम की सालाना ट्यूशन फीस 2,895 यूरो (लगभग 3.22 लाख रुपये) होगी, जबकि मास्टर्स कोर्स के लिए फीस 3,941 यूरो (लगभग 4.39 लाख रुपये) देने होंगे। सरकार के इस फैसले की वजह से अब यूनिवर्सिटी की अपनी तरफ से फीस तय करने की स्वतंत्रता खत्म हो गई है। पहले वह ज्यादा फीस को माफ कर देते थे या फिर छात्रों से कम फीस लिया करते थे। हायर एजुकेशन मंत्री फिलिप बैपटिस्ट ने कहा कि ये पॉलिसी में एक बदलाव का प्रतीक है। फ्रांसीसी यूनिवर्सिटीज ने सरकार के फैसले की आलोचना की है। उनका कहना है कि ये फैसला यूनिवर्सिटीज की आजादी को प्रभावित करेगा। देश की सरकारी यूनिवर्सिटीज का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था ने कहा है कि पहली नजर में ट्यूशन फीस को लेकर लिया जा रहा फैसला यूनिवर्सिटीज द्वारा दुनियाभर के छात्रों को दिए जाने वाले आतिथ्य और खुलेपनन के मानवीय मूल्यों के उलट दिखाई पड़ता है। इसने कहा कि बढ़ी हुई फीस की वजह से छात्रों को हायर एजुकेशन हासिल करने में दिक्कत आएगी।

यूनिवर्सिटीज ने जताई चिंता

सरकार के फीस बढ़ाने के फैसले की वजह से अब उन स्टूडेंट्स की बहुत कम संख्या होगी, जिन्हें ट्यूशन फीस से छूट मिल सकती है। उम्मीद की जा रही है कि अब सिर्फ 10 फ़ीसदी छात्रों को ही फीस से छूट मिल पाएगी। सरकार की योजना है कि हायर एजुकेशन में दी जाने वाली 60 फ़ीसदी स्कॉलरशिप अब सिर्फ डिजिटल टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम स्टडीज और बायोटेक्नोलॉजी की फील्ड में अलॉट हो। इन बदलावों का असर उन स्टूडेंट्स पर सीधे पड़ेगा, जो अकेडमियर ईयर 2026-27 में फ्रांस पढ़ने आ रहे हैं।

शहर की बड़ी झील में सुरक्षा के साथ खिलवाड़

50 से अधिक नाव के लाइसेंस सालों से पेंडिंग, नगर निगम प्रशासन बेखबर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बड़े तालाब के बोट क्लब पर चल रहीं नावों को लेकर पर्यटकों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। बरगी डैम में क्रूज डूबने की घटना के चार दिन बाद भी यहां हालात नहीं बदले हैं। बड़े तालाब पर वर्तमान समय में 50 से अधिक निजी नाविकों द्वारा नावें चलाई जा रही हैं, लेकिन नगर निगम के पास इनकी कोई जानकारी ही नहीं है और ना ही निजी नाविकों ने बीते कई सालों से नाव चलाने के लाइसेंस रिन्यू कराए हैं। वहीं, बोट क्लब पर बिना लाइफ जैकेट और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम के बिना नावों का संचालन जारी है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

जर्जर हो चुके सुरक्षा उपकरण बढ़ा रहे हैं खतरा

निजी नावों के सुरक्षा उपकरणों की स्थिति और भी चिंताजनक है। कई नावों में लाइफ जैकेट उपलब्ध नहीं हैं, और जहां हैं भी तो वे सालों पुराने हो चुके हैं और खराब और जर्जर हालत में हैं। कई जैकेट के बेल्ट टूट चुके हैं, जिससे आपात स्थिति में उनका उपयोग करना भी हादसे को आमंत्रण देता है। इसके बावजूद पर्यटकों को बिना सुरक्षा के नाव में बैठाया जा रहा है। ऐसे में पर्यटकों की जान जोखिम में डालकर नाव संचालन किया जा रहा है। झील संरक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी प्रमोद मालवीय का कहना है कि बड़े तालाब में नाव चलाने के लिए किसी ने भी लाइसेंस नहीं दिया है। इसलिए तालाब में नावों के संचालन पर रोक लगा दी है। यदि जल्द ही लाइसेंस रिन्यू नहीं कराए जाते हैं, तो नावों की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

नावों के संचालन पर लगाई अस्थायी रोक

बरगी हादसे के बाद नगर निगम ने एहतियातन बड़े तालाब में चल रही निजी नावों के संचालन पर अस्थायी रोक जरूर लगाई थी, जिसके बाद नाव के मालिकों ने नावों को बड़े तालाब में साइड में खड़ा कर दिया है, लेकिन निगम प्रशासन ने न तो किसी संचालक के खिलाफ ठोस कार्रवाई की और ना ही सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया। नावों के न चलने से बड़ा तालाब खाली नजर आया और बोट क्लब में बोटिंग करने के लिए आने वाले कई लोग मायूस होकर लौट गए।

बिना लाइसेंस और बिना रिकॉर्ड के संचालित हो रहीं निजी नावें

बड़े तालाब के बोट क्लब और शीतलदास की बगिया पर संचालित कई निजी नावें नियमों को दरकिनार कर बेखौफ चलाई जा रही हैं। हैरानी की बात यह है कि बीते कई सालों से किसी भी निजी नाविक ने अपना लाइसेंस रिन्यू कराया है। वहीं नगर निगम के पास भी ऐसा कोई अद्यतन रिकार्ड नहीं है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पर्यटन विकास निगम के अलावा कितनी निजी नावें बड़े तालाब में संचालित हो रही हैं। यह स्थिति निगरानी तंत्र की कमजोरियों को उजागर करती है। हालांकि, जानकारी के अनुसार, बड़े तालाब पर 50 से अधिक निजी नावें वर्तमान समय में संचालित हो रही हैं।

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए प्लान तैयार करने के निर्देश

अब राजधानी के झील और तालाब सीएसआर फंड से संवारे जाएंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के झील-तालाब को कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड से संवारा जाएगा। सोमवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की रूपरेखा पर चर्चा की। साथ ही अधिकारियों को प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा, सीएसआर फंड से भोपाल की झीलों, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि औद्योगिक इकाइयां अपने वार्षिक सीएसआर प्लान में झीलों के किनारों पर मियावाकी तकनीक से पौधारोपण, ऐतिहासिक स्थलों का जीर्णोद्धार, पार्कों का पुनर्विकास, प्राचीन बावड़ियों और कुओं के संरक्षण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दें। उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में भी योगदान बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि वृद्धाश्रम, दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष स्कूल, ग्रामीण क्षेत्रों में मॉडल स्कूल निर्माण और खेल अधोसंरचना जैसी परियोजनाओं को भी सीएसआर में शामिल करें। साथ ही मेट्रो एवं फ्लाईओवर के नीचे स्पोर्ट्स टर्फ विकसित करने जैसे नवाचारों को

भी प्रोत्साहित किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सीएसआर से किए जाने वाले सभी कार्यों की प्रशासनिक स्तर पर नियमित निगरानी की जाएगी। जिससे कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहे। बैठक में एमपीआईडीसी के अधिकारियों के साथ समन्वय कर इंडस्ट्रियल हाउसिंग प्रोजेक्ट, स्लम पुनर्वास, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और भविष्य की शहरी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने कहा कि इन पहलों से न केवल आधारभूत सुविधाओं का विकास होगा, बल्कि औद्योगिक इकाइयों को कुशल मानव संसाधन भी उपलब्ध हो सकेगा। बैठक में जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी, टेक्सटाइल, गारमेंट एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

90 डिग्री एंगल वाले ब्रिज के पास इंफ्रास्ट्रक्चर का नमूना

शहर में सुलभ शौचालय के पास उठवा दी दीवार, लोग बोले- अब क्या फ्लाईओवर बनेगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में गलत इंफ्रास्ट्रक्चर का एक और नमूना देखने को मिला है। एक वार्ड में निर्माणाधीन सुलभ शौचालय के पास ही दीवार उठवा दी गई है। ऐसे में अब लोग शौचालय का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। मामला जोन-11 के वार्ड 40 का है। बाग उमराव दूल्हा और ऐशबाग क्षेत्र में पहले से 90 डिग्री एंगल वाला रेलवे ओवरब्रिज बना हुआ है। जिसे लेकर पिछले साल कई सवाल खड़े हुए थे। इसके बाद पीडब्ल्यूडी और रेलवे मिलकर सुधार कर रहे हैं। ठीक इसी के पास निर्माणाधीन सरकारी शौचालय के

पास दीवार उठाने का मामला सुर्खियों में आ गया है। फिलहाल इसे शुरू नहीं किया गया, लेकिन जब बनकर तैयार हो जाएगा, तब भी लोग इसका उपयोग नहीं कर सकेंगे।

रेलवे की जमीन पर शौचालय का निर्माण हो रहा है। हाल ही में रेलवे ने अपनी जमीन पर इस तरह से दीवार उठवा दी है। रेलवे की जमीन पर शौचालय का निर्माण हो रहा है। हाल ही में रेलवे ने अपनी जमीन पर इस तरह से दीवार उठवा दी है। वार्ड के अलमास अली ने बताया कि रेलवे की जमीन पर सुलभ शौचालय का निर्माण अब रेलवे की बाउंड्रीवाल में कैद है। इससे यहां पर कोई भी नहीं जा सकेगा। लिहाजा, रहवासी खासे परेशान होंगे। जिम्मेदारों को लिखित आवेदन दिया था। ताकि, सही जगह चिन्हित कर निर्माण किया जा सके, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। लोगों ने बताया कि रेलवे की जमीन पर सार्वजनिक शौचालय का गलत निर्माण और जनता के धन की बर्बादी की गई है। बाग उमराव दूल्हा के रहवासियों ने 11 फरवरी 2026 को जोन अधिकारी को आवेदन भी सौंपा था। जिसमें कहा गया था कि बाग उमराव दूल्हा क्षेत्र में करीब 400 दुकानें संचालित हो रही हैं। वहां पार्किंग और शौचालय की जरूरत है, लेकिन इसकी कोई व्यवस्था नहीं है।

झालमुरी खाकर मनाई जीत की खुशी

भोपाल। भाजपा की बंगाल जीत पर प्रदेश में भाजपा के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने झालमुरी खाकर खुशी मनाई।

पांच दिवसीय रोग निवारण व प्रशिक्षण शिविर

प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में पंचतत्वों से आरोग्य पाने के लिए दे रहे टिप्स

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केंद्र द्वारा पांच दिवसीय आवासीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से शरीर का शुद्धिकरण और संपूर्ण स्वास्थ्य का लाभ और टिप्स दिए जा रहे हैं।

आरोग्य केंद्र के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने कहा कि अस्वस्थ जीवनशैली और गलत खान-पान ही बीमारियों का मूल कारण है. उन्होंने कहा पका हुआ भोजन केवल जीवित रहने के लिए है, जबकि अपक्व आहार, रसाहार और फलाहार शरीर को रोगों से मुक्त करते हैं। मन के जीते जीत के सिद्धांत पर चलते हुए यदि हम स्वयं को स्वस्थ महसूस करेंगे, तभी पूर्णतः आरोग्य प्राप्त कर सकेंगे। शरीर से गंदगी बाहर निकालने के चार प्राकृतिक रास्तों–मल, मूत्र, पसीना और श्वास–को सक्रिय करना अनिवार्य है।

शिविर में डिजिटल डिटॉक्स: साधकों को योग, मिट्टी चिकित्सा, शिरोधारा, एक्यूप्रेशर और फिजियोथेरेपी जैसे उपचार दिए जा रहे हैं. शिविर की एक अनूठी विशेषता डिजिटल डिटॉक्स है, जहां मोबाइल और लैपटॉप से दूरी बनाकर शांति का अहसास कराया जा रहा है।

प्रशिक्षण और सामाजिक पहल: समाज को जागरूक करने हेतु हेल्थ प्रमोटर सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू किया गया है, ताकि साधक स्वयं के साथ अपने परिवार को भी स्वस्थ रख सकें. शिविर में प्रातः योगाभ्यास से लेकर शाम को शंका समाधान सत्र तक की व्यवस्थित दिनचर्या निर्धारित है।

वृद्धा समेत 3 की हादसे में मौत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बीते चौबीस घंटों के दौरान अलग-अलग तीन हादसों में जख्मी वृद्ध महिला समेत तीन महिलाओं की मौत हो गई। यह तीनों घटनाएं मिसरोद, कोलार रोड और श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र की है जबकि भोपाल देहात में स्थित सुखी सेवनिया में हुए हादसे में जख्मी एक व्यक्ति की लगभग पौने दो महीना बाद मौत हो गई। पुलिस को सभी मामलों में दुर्घटना करने वाले वाहन चालकों का सुराग नहीं मिला है।

मिसरोद थाना पुलिस के अनुसार रविवार अपरान्ह चार बजे सड़क पार कर रही पुष्पा शर्मा पत्नी शिव प्रसाद शर्मा उम्र 80 साल को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे के वक्त वृद्ध महिला के साथ पति शिव प्रसाद शर्मा भी थे। दोनों विदिशा जिले के गंजबसौदा के रहने वाले हैं। यहां शीतल धाम में रहने वाली बेटी के पास दंपति रहते हैं। बस से उतरकर दोनों दंपति वहीं जा रहे थे। इलाज के दौरान शाम सात बजे पुष्पा शर्मा ने दम तोड़ दिया। मामले की जांच एएसआई छत्रपाल सिंह कर रहे हैं। मिसरोद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि अभी टक्कर मारने वाले ट्रक का पता नहीं चल सका है। इधर, श्यामला हिल्स स्थित गांधी भवन के सामने स्मार्ट सिटी रोड पर तेज रफ्तार बाइक ने पैदल जा रही सावित्री ठाकुर पत्नी स्वर्गीय चांद सिंह उम्र 78 साल को टक्कर मार दी। घटना रविवार शाम लगभग चार बजे हुई थी।

घटना के वक्त सावित्री ठाकुर मेडिकल स्टोर से दवा लेकर घर लौट रहीं थीं। टक्कर मारने वाला बाइक सवार स्मार्ट सिटी अस्पताल में वृद्धा को भर्ती कराकर भाग गया था। वहां इलाज के दौरान रात में वृद्धा ने दम तोड़ दिया। श्यामला हिल्स पुलिस ने अभी मर्ग कायम किया है।

वीना कला एवं सेवा समिति ने किया था आयोजन

स्वास्थ्य शिविर में 95 लोगों ने जांच कराई, खान-पान अनुशासन जाना

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

वीना कला एवं सेवा समिति ने संतनगर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय बोरवन पार्क में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया, जिसमें 95 से अधिक नागरिकों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया और विशेषज्ञों से चिकित्सीय परामर्श लिया। शिविर में वरिष्ठ मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. प्रीति मोतियानी ने अपनी सेवाएं देते हुए मरीजों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया मेडिकल इंटर्न लवीशा तीर्थानी ने मरीजों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विशेष रूप से मरीजों को निःशुल्क डाइट चार्ट वितरित किए और उन्हें बीमारियों से बचाव के लिए सही

खान-पान की बारीकियों के बारे में विस्तार से समझाया। समिति द्वारा मरीजों की सुविधा के लिए आधुनिक चिकित्सा जांचें पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई गई थीं। शिविर में शुगर, थायराइड परीक्षण, हीमोग्लोबिन की जांच, यूरिक एसिड टेस्ट की फ्री जांच की गई। शिविर का शुभारंभ पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधू चाँदवानी ने किया। उन्होंने इस मानवीय प्रयास की सराहना की। राकेश शेवानी अध्यक्ष, वीना कला एवं सेवा समिति, ए.सी. साधवानी, राजकुमार मूलचंदानी, शेटी चन्दनानी, लक्ष्मणदास वासवानी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मोपेड की डिक्की से मिली छुरी

भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने मोपेड की डिक्की से एक छुरी बरामद की है। जिसे दबोचा गया है उसके खिलाफ पहले से तीन प्रकरण मारपीट कर जानलेवा हमला करने के दर्ज है। आरोपी के खिलाफ टीटी नगर पुलिस ने चौथा प्रकरण आमर्स एक्ट का दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी लक्की सेन पिता रामकुमार सेन उम्र 20 साल है। वह हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित ज्योतिबा फुले नगर में रहता है। लक्की सेन रविवार को लाडली लक्ष्मी वाटिका के पास संदिग्ध दिखने पर उससे पूछताछ की गई। वह मोपेड एमपी-04-जेडयू-4399 पर था। उसकी डिक्की खोली तो उसमें छुरी मिली। उसका रिकॉर्ड खंगाला तो उसके खिलाफ हबीबगंज थाने में दो प्रकरण चाकू मारकर जानलेवा हमला करने का पाया गया। इसके अलावा वह टीटी नगर थाने में ही रंगदारी दिखाकर हमला करने और तोड़फोड़ करने के मामले में भी गिरफ्तार हो चुका था।

मेट्रो एंकर लघुकथा संग्रह एवं शोध पुस्तक का लोकार्पण समारोह

किताबें हमें संबल प्रदान कर विचारशील बनाती हैं - संतोष चौबे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

दिमाग को क्रियाशील बनाए रखने के लिए किताबें पढ़ना बहुत आवश्यक है। वर्तमान समय में बाजार ने टेक्नोलॉजी के माध्यम से हमारी एकाग्रता को पूरी तरह से भंग कर हमारे दिमाग को गुलाम बना लिया है। अब बाजार अपने तरीकों से हमें संचालित कर रहा है। आज हम एक बड़े ग्लोबल बाजार से घिरे हुए हैं। ऐसे में हमारे जीवन में किताबों का महत्व और अधिक हो जाता है। किताबें हमें गुलामी के विरुद्ध खड़े होने की समझ और संबल प्रदान करती हैं। हमें विचारशील बनाती हैं।

पुस्तकों के महत्व पर यह महत्वपूर्ण उद्गार संतोष चौबे, वरिष्ठ कवि-कथाकार, निदेशक, विश्व रंग एवं कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने व्यक्त किए। नरेश बाथम के गजल संग्रह अनकही, मनोरमा पंत के लघुकथा

संग्रह आसपास, एवं डॉ. मालती बसंत की शोध पुस्तक सदगुरु कबीर और मानवता के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। आईसेक्ट पब्लिकेशन, वनमाली सृजन पीठ एवं स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल का यह आयोजन शारदा सभागार स्कोप कैम्पस, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय भोपाल में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुकेश वर्मा, प्रतिष्ठित कथाकार एवं अध्यक्ष, वनमली सृजन पीठ, भोपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आईसेक्ट पब्लिकेशन ने बहुत कम समय में प्रकाशन जगत में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

इस अवसर पर लेखक गज़लकार नरेश बाथम ने अपनी पुस्तक अनकही पर अपने विचार रखते हुए कहा कि इसमें सम्मिलित रचनाओं में मेरे जीवन का सार है। जीवन के विभिन्न पहलुओं को मैंने ग़ज़ल, नजम और गीतों के जरिये बयां करने की कोशिश की है। वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत द्वारा अनकही पुस्तक पर अपने समीक्षात्मक उद्बोधन में कहा कि गजल दिमाग से नहीं लिखी जाती वह तो दिल से कही जाती हैं।

इस तरह दिल से कही गई मुकम्मल और नायाब ग़ज़लों का एक खूबसूरत तोहफा है अनकही। इन गजलों में भाव की गहरी संवेदना है। गजल का खूबसूरत शिल्प विधान है। इन गजलों के शेर में जिंदगी के कितने ही रंग बिखरे पड़े है। लेखिका मनोरमा पंत ने अपनी पुस्तक आसपास पर अपने लेखकीय वक्तव्य में कहा की कोरोना काल के कठिन दौर से गुजरते हुए मैंने लघुकथा लेखन की शुरुआत करते हुए अपने विचारों को संजोया हैं।

दुग्ध उत्पादक सम्मेलन में सीएम बोले

जिनके घर गाय, वे गोपाल, मप्र को बनाएंगे दूध की राजधानी

ग्वालियर। राज्य स्तरीय दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पशुपालकों और किसानों को प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए मध्यप्रदेश को दूध की राजधानी÷ बनाने का संकल्प दोहराया। ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में हाथ जोड़कर पशुपालकों का अभिवादन किया। मप्र को दूध उत्पादन में अग्रणी बनाने का लक्ष्य मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ग्वालियर एक जीवंत नगरी है और यहां किसान व पशुपालक प्रदेश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा, सीमा पर जवान और खेत में किसान देश की ताकत हैं, और जिनके घर गाय है, वे गोपाल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार दूध उत्पादन बढ़ाने वाले किसानों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता दी जाएगी।

किसानों को मिल रही बेहतर सुविधाएं

सीएम ने पूर्व सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि लंबे समय तक किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन अब उन्हें पर्याप्त बिजली और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष बताते हुए कृषि और पशुपालन को मजबूत करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा, गौशाला को बीस की जगह चालीस रूपये देंगे गायों के लिए। पशु आहार निर्माण केंद्र खुलेगा। वहीं, डबरा में पशु चिकित्सालय खोला जाएगा। हेम सिंह परेड अस्पताल का उन्नयन भी होगा। किसान की जमीन लेने पर उसे चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने स्वागत भाषण में बताया कि प्रदेश में दूध संग्रहण 9 लाख लीटर से बढ़कर साढ़े 12 लाख लीटर तक पहुंच चुका है, जिसे बढ़ाकर 50 लाख लीटर करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार मध्यप्रदेश को फ्रमिल्क कैपिटलफ्र बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

दस लाख दिव्यांगों के लिए पहली बार बनेगी पॉलिसी

180 दिन में तैयार होगा ड्राफ्ट, एक ही प्लेटफार्म पर काम करेंगे सारे विभाग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मोहन यादव सरकार प्रदेश के दस लाख दिव्यांगजनों के लिए पहली बार नीति बनाएगी। इस नीति के लागू होने के बाद सारे विभाग दिव्यांगजनों को लेकर एक प्लेटफार्म पर काम कर सकेंगे। यहां अलग-अलग विभागों के द्वारा अलग-अलग स्कीम के जरिए दिव्यांगजन को लाभ दिया जाता है। इसलिए सरकार ने तय किया है कि अब ऐसी नीति बनाई जाए जो सभी विभागों के लिए समान रूप से प्रभावी रहे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर दिव्यांगजन विभाग के आयुक्त को यह नीति बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है और नीति का मसौदा छह माह में तैयार हो जाएगा।

आयुक्त दिव्यांगजन डॉ अजय खेमरिया ने इस नीति को बनाए जाने को लेकर मीडिया से चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहली बार दिव्यांगजनों के लिए कोई नीति बनाने का काम राज्य सरकार करने जा रही है। अभी अलग-अलग विभाग अलग-अलग स्कीम चलाते हैं। अभी कोई नीति नहीं होने से दिव्यांगजन के लिए समान काम नहीं हो पाता है। अभी दिव्यांगजनों के समग्र विकास के लिए जो काम हो रहे हैं, उसमें एकरूपता की कमी है, इसलिए दिव्यांगजन के लिए नीति बनाने की जरूरत है। खेमरिया ने कहा कि जिस तरह से एमपी के बच्चों के लिए बाल नीति है, महिला नीति है, उसी तरह की दिव्यांगजन नीति भी होना

दिव्यांगजनों से एक्सपर्ट्स करेंगे बात

डॉ खेमरिया ने बताया कि नीति तैयार करने के लिए स्टेक होल्डर्स, एक्सपर्ट, हितग्राही से बात करेंगे। साथ ही विदेशों में जाकर वहां की स्थिति देखकर आने वाले, विश्वविद्यालयों में शोध करने वालों से बातचीत कर नीति बनाएंगे। एमपी के बाहर के विषय विशेषज्ञों से भी बात की जाएगी। ग्रामीण, शहरी क्षेत्रों के साथ आदिवासी बेल्ट के लोगों से भी बात करेंगे। अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी जैसे इलाकों में सरकार की योजनाओं की डिलीवरी में किस तरह की दिक्कत होती है, इसकी भी जानकारी ली जाएगी। वहां के दिव्यांग जन से बात की जाएगी। दिव्यांगजन आयुक्त खेमरिया ने कहा कि अभी दिव्यांगों के लिए सामाजिक न्याय, एमएसएमई, एनआरएलएम, महिला बाल विकास विभाग समेत अन्य विभागों के अलग-अलग काम हैं। अगले छह माह में इसका ड्राफ्ट बना लिया जाएगा और कैबिनेट से मंजूरी दिलाकर 2026 में ही इसे लागू कराया जाएगा।

फरवरी में सीएम को लिखा था पत्र

डॉ खेमरिया ने कहा कि नीति बनाने को लेकर फरवरी 2026 में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से पत्र लिखा था जिसके लिए मुख्यमंत्री ने अब अधिकृत कर दिया है। इसके अलावा सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन विभाग के मंत्री नारायण सिंह कुशवाह को भी पत्र लिखा गया था। इसलिए अब दिव्यांग जन बनाने के लिए सुझाव लेने और प्रस्ताव मंगाने का काम किया जाएगा। इसके लिए ऐसे लोगों से भी संपर्क किया जाएगा जो दिव्यांगजन के लिए काम करते हैं। जो दिव्यांग हैं, उनसे भी सुझाव लिए जाएंगे ताकि उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए नीति में वास्तविक प्रयास किए जा सकें। इसके पहले कोई नीति नहीं है। अलग-अलग विभागों ने अपने हिसाब से दिव्यांगजन के लिए अलग रोस्टर, प्रावधान तय कर रखें हैं लेकिन विभागों की दिव्यांगजन को लेकर कोई नीति नहीं है।

नीति के लिए इनसे भी चर्चा करने के निर्देश

डॉ अजय खेमरिया को 13 अप्रैल 2026 को सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से एमपी में दिव्यांगजन अधिनियम 2016 राज्य निधि, निराश्रित निधि, के साथ योजनाओं, पुनर्वास और कल्याण से संबंधित सभी पहलुओं को शामिल करते हुए दिव्यांगजन नीति का प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा गया है। शासन की ओर से कहा गया है कि विभिन्न विभागों, शासकीय और अर्द्धशासकीय संस्थाओं, एक्सपर्ट्स, संबंधित सिविल सोसायटी के सदस्यों, प्रख्यात खिलाड़ियों और सांस्कृतिक प्रतिभाओं से चर्चा कर नीति के मसौदे के निर्माण और उसे अंतिम रूप देने का काम किया जाए।

प्रदेश में पैदल चलना भी सुरक्षित नहीं

तीन साल में 5393 ने लोगों ने गंवाई अपनी जान, देश में हुई कुल मौतों का ये 5.16 प्रतिशत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सड़कें केवल वाहन चलाने वालों या उन पर सवार यात्रियों के लिए ही जानलेवा नहीं हैं, बल्कि पैदल चलना भी अब मौत को दावत देने जैसा हो गया है। सड़कों पर फर्राटे से दौड़ रहे तेज रफ्तार वाहनों ने पैदल चल रहे लोगों की जिंदगी भी खतरे में डाल दी है। प्रदेश में भी पैदल चलना सुरक्षित नहीं रहा है।

सरकारी आंकड़ों की बात करें तो मध्य प्रदेश में पिछले तीन सालों के भीतर 5,393 पैदल यात्रियों ने सड़क हादसों में अपनी जान गंवाई है। चौंकाने वाली बात यह है कि देश भर में पैदल यात्रियों की हुई कुल मौतों में अकेले मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी 5.16त्न है। देश में सबसे ज्यादा मौतें तमिलनाडु में हुई है। पैदल यात्रियों की सड़क दुर्घटना में मौतों के मामलों में मप्र देश के सभी राज्यों की सूची में आठवें स्थान पर है।

हर साल हो रहा मौतों में इजाफा

देश भर में पैदल यात्रियों की हो रही मौतें लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। प्रदेश में भी हर साल पैदल यात्रियों की मौतों की संख्या में इजाफा हो रहा है। यह स्थिति हमारी सड़कों के डिज़ाइन पर सवाल उठाती है। मप्र में साल 2022 में 1,672 पैदल चलने वाले लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। वहीं 2023 में यह संख्या बढ़कर 1,793 हो गई। 2022 के मुकाबले 2024 में 15.31 फीसदी का इजाफा होकर 1,928 राहगीरों की मौतें हुई हैं।

सरकार का दावा- निर्माण में हो रहा नियमों का पालन

सड़क हादसों में पैदल चलने वालों की सुरक्षा से जुड़े सवाल पर राज्यसभा में केंद्र सरकार ने दावा किया कि सरकार सड़क निर्माण में तय नियमों का पालन कर रही है। पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए मौके की जरूरत के हिसाब से फुटपाथ, अंडरपास, फुट-ओवर ब्रिज और पैदल क्रॉसिंग जैसी सुविधाएं बनाई जाती हैं। इसके अलावा, वाहनों की रफ्तार पर लगाम लगाने के लिए रंबल स्ट्रिप्स, ऊंचे पैदल क्रॉसिंग और स्पीड ब्रेकर (गति सारणी) जैसे उपाय भी अपनाए जा रहे हैं। यही नहीं, सड़क के निर्माण से लेकर उसके शुरू होने तक, हर चरण में सुरक्षा की विशेष जांच (रोड सेफ्टी ऑडिट) भी की जाती है।

एमपी में बंद परिवहन सेवा पर हाईकोर्ट सख्त

राज्य और केंद्र को फिर नोटिस, 21 साल से बंद निगम पर जनहित याचिका की सुनवाई

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में पिछले 21 वर्षों से बंद पड़ी सड़क परिवहन सेवा को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य और केंद्र सरकार को पुनः नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। यह जनहित याचिका सेंधवा के सामाजिक कार्यकर्ता और एडवोकेट बीएल जैन द्वारा 14 अगस्त 2024 को दायर की गई थी। याचिका में कहा है कि परिवहन निगम बंद होने के बाद प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में यात्रियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सुरक्षित और सुलभ परिवहन व्यवस्था का अभाव भी गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। कोर्ट ने 17 सितंबर

2024 को भी राज्य शासन को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा था, लेकिन शासन की ओर से अब तक कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। सुनवाई में कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए पुनः नोटिस जारी किया।

निजी बसों पर निर्भरता, सुरक्षा पर सवाल- सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट अभिषेक तुगनावत ने पक्ष रखते हुए बताया कि परिवहन निगम के बंद होने के बाद प्रदेश में निजी बसों पर निर्भरता बढ़ गई है।

सरकार की जिम्मेदारी पर उठे सवाल

याचिका में कहा गया कि नागरिकों को सुरक्षित परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। साथ ही यह भी तर्क दिया गया कि केरल और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में परिवहन निगम सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं और लाभ में भी हैं, तो मध्यप्रदेश में ऐसा मॉडल क्यों नहीं अपनाया जा सकता। याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा लंबे समय से सार्वजनिक परिवहन सेवा शुरू करने की घोषणाएं की जा रही हैं, लेकिन करीब डेढ़ वर्ष बाद भी इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है।

स्वास्थ्य विभाग में 71 नए अधिकारियों की भर्ती

भोपाल। मप्र की स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने और सरकारी योजनाओं की सटीक मानिटरिंग के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने 71 संविदा जिला मानिटरिंग एंड इवैल्यूएशन ऑफिसर की भर्ती की है। यह पद स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। इनका प्राथमिक उद्देश्य डेटा का प्रबंधन करना और धरातल पर चल रही परियोजनाओं की प्रगति पर पैनी नजर रखना है। सरकारी स्वास्थ्य अभियानों और विकास योजनाओं के आंकड़ों का विश्लेषण कर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना। मैदानी इकाइयों से प्राप्त डेटा की निगरानी करना और उसे निक्षय पोर्टल सहित अन्य विभागीय पोर्टल्स पर अपडेट कराना। योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों और वास्तविक परिणामों के बीच के अंतर (गैप) का बारीकी से अध्ययन करना। इन अधिकारियों की नियुक्ति से स्वास्थ्य संस्थाओं के निरीक्षण कार्य में तेजी आएगी।

प्रदेश में किसानों के लिए बड़ा फैसला

अब एक बार में ही ई-विकास पोर्टल के जरिए मिलेगा यूरिया, सरकार ने फिर बदला निर्णय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में भले ही अभी खाद की कमी नहीं है, मगर वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए सरकार सतर्कता बरत रही है। प्रदेश में किसानों को पात्रता के अनुसार दो बार में यूरिया देने का निर्णय लिया गया था, लेकिन सोमवार को हुई बैठक में अब एक बार में ही पूरा कोटा देना तय किया गया है। यही व्यवस्था डीएपी, एनपीके, फास्फेट और पोटाश में भी लागू की गई है। खरीफ सीजन की फसलों की बोवनी जून के अंतिम सप्ताह से प्रारंभ हो जाएगी। इसके लिए डीएपी, एनपीके, फास्फोरस और पोटाश का वितरण शुरू कर दिया है। यूरिया की जरूरत बोवनी के 21 दिन बाद पड़ती है।

वैश्विक परिस्थितियों के बीच खाद की उपलब्धता और अनुमान- दरअसल, कृषि विभाग ने तय किया था कि कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसित खाद के उपयोग की मात्रा के अनुसार किसानों को दो बार में यूरिया उपलब्ध कराया जाएगा। इसके पीछे वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखा गया था, क्योंकि खाद का बड़ा हिस्सा आयात किया जाता है। पूरे सीजन में 18 लाख टन यूरिया लगने का अनुमान है। प्रदेश के पास अभी छह लाख 40 हजार टन यूरिया का भंडार है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अभी आवक में निरंतरता है, इसलिए सोमवार को तय किया गया कि किसानों को मंगलवार से एक बार में ही पात्रता के अनुसार यूरिया दिया जाएगा।

ई-विकास पोर्टल से आपूर्ति और वर्तमान स्टॉक की स्थिति

खाद की आपूर्ति ई-विकास पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। इसमें भूमि के आधार पर टोकन बनेगा और इसके आधार पर संबंधित विक्रेता से खाद मिलेगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि इस समय प्रदेश के पास लगभग 15 लाख टन खाद का भंडार है। इसमें छह लाख 40 हजार टन यूरिया, डीएपी और एनपीके 5.15 लाख टन और 3.50 लाख टन फास्फेट है।

एमपी के दो सांसद दक्षिण में हारे

मुरुगन की तमिलनाडु में हार, केरल में जॉर्ज कुरियन तीसरे नंबर पर पहुंचे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश से राज्यसभा में पहुंचे भाजपा के दो सांसदों को विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। केंद्रीय राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन केरल की कांजिराप्पल्ली सीट से चुनाव लड़े थे, जहां वे तीसरे स्थान पर रहे। उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार से करीब 29 हजार वोटों से हार मिली। इस सीट पर कांग्रेस के रोनी के बेबी विजयी रहे, जबकि केरल कांग्रेस के उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे। इसी तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय राज्यमंत्री एल. मुरुगन तमिलनाडु की अविनाशी (एससी) सीट से मैदान में थे, लेकिन उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा। इस सीट पर डीएमके उम्मीदवार ने बढ़त

बनाकर जीत हासिल की।

बता दें, जॉर्ज कुरियन और एल. मुरुगन दोनों ही मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। कुरियन का कार्यकाल जून 2026 तक है, जबकि मुरुगन का कार्यकाल 2030 तक जारी रहेगा। इन दोनों नेताओं को भाजपा ने अलग-अलग राज्यों में मजबूत उम्मीदवार के रूप में उतारा था, लेकिन चुनावी नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे।

मेट्रो एंकर | स्वच्छ सर्वेक्षण : एक-एक धब्बा घटाएगा रैंकिंग

जागें इंदौरी, थूकने और गंदगी से कट सकते हैं 200 अंक

इंदौर, दोपहर मेट्रो

आठ बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीतने वाले इंदौर के लिए यह वक्त आत्मचिंतन का है। स्वच्छ सर्वेक्षण का दल इसी महीने शहर का मुआयना करने आ सकता है और ठीक इसी समय शहर के नए पुते डिवाइडरों पर गुटखे और तंबाकू की पीक के लाल निशान नजर आ रहे हैं।

यह तस्वीर सिर्फ दिखावट की नहीं, अंकों की भी लड़ाई है, क्योंकि इस बार सर्वेक्षण में खुले में थूकने पर सौ और खुले में पेशाब करने पर सौ, यानी कुल दो सौ अंक काटे जाने का प्रविधान है। स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों के अनुसार, शहरों में खुले स्थान पर मूत्र (पीले धब्बे) और खुले स्थान पर थूक (लाल धब्बे) से संबंधित मानकों पर शहरों का मूल्यांकन किया जाता है।

इस बार प्रत्येक रेड स्पाट पर सौ और येलो स्पाट पर सौ अंक की कटौती का प्रविधान है। यानी सार्वजनिक स्थलों पर मिलने वाला एक-एक धब्बा शहर की रैंकिंग पर सीधा असर डालेगा।

नगर निगम सख्ती तो बरत रहा है। पिछले एक माह में निगम ने स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर 6696 चालान जारी कर 36,50,000 रुपये की वसूली की। इनमें सड़क पर थूकने पर 1304 चालान जारी कर 1,76,000 रुपये वसूल किए गए, जबकि खुले में पेशाब करने वाले 95 लोगों से 10,650 रुपये जुर्माना लिया गया। बावजूद इसके थूकने और खुले में पेशाब करने की प्रवृत्ति थमने का नाम नहीं ले रही। निगमायुक्त के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण को लेकर कार्रवाई लगातार जारी है, लेकिन जब तक नागरिक खुद जिम्मेदारी नहीं उठाएंगे, केवल जुर्माने से बात नहीं बनेगी।

आठ बार का सफर, अब नौवें की चुनौती

इंदौर लगातार आठ वर्षों से स्वच्छता में नंबर एक रहा है और उसे सुपर स्वच्छ लीग में रखा गया है। इस बार 10वें संस्करण में शहर को अपनी प्रतिष्ठा बचाने के साथ-साथ उन नए मापदंडों पर भी खरा उतरना है, जो व्यवहार परिवर्तन को सीधे अंकों से जोड़ते हैं। ऐसे में गुटखा-तंबाकू खाकर सड़क पर थूकने की पुरानी आदत अब शहर की रैंकिंग की दुश्मन बन चुकी है। स्वच्छता की असली लड़ाई झाड़ू से नहीं, मानसिकता से जीती जाती है। जब तक हर नागरिक यह नहीं मान लेता कि डिवाइडर, दीवार या गली की नाली थूकने की जगह नहीं है, तब तक सफाईकर्मियों और निगम के प्रयास अधूरे ही रहेंगे।

एक माह की कार्रवाई

- 6696 चालान बनाए स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर
- 36,50,000 रुपये की वसूली की
- 1304 चालान बनाए सड़क पर थूकने के
- 1,76,000 रुपये वसूल किए
- 95 लोगों से 10,650 रुपये लिया जुर्माना खुले में पेशाब करने पर

एक पल की ताकत

चार मई की सुबह जब मतगणना के रुझान स्क्रीन पर उभरने लगे, तो यह सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं था; यह उस खामोशी की गूंज थी, जो मतदान केंद्रों पर उंगलियों से बटन दबाते वक्त जन्मी थी। लोकतंत्र का यह मौन संवाद एक बार फिर साबित कर गया कि जनता बोलती कम है, लेकिन जब बोलती है तो सत्ता के सबसे मजबूत किले भी हिल जाते हैं। असम की धरती पर इस बार कमल की खिलावट महज एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता का संकेत है। लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यहां नेतृत्व, विचार और विकास का संगम मतदाताओं के मन में गहरी जड़ें जमा चुका है। यह परिणाम बताता है कि जब राजनीति स्थानीय आकांक्षाओं के साथ तालमेल बिठाती है, तब वह 'बाहरी' से 'अपनी' बन जाती है। उधर, पश्चिम बंगाल ने अपने अंदाज में लोकतंत्र का एक अलग ही आख्यान रचा। यहां चुनाव केवल दलों के बीच संघर्ष नहीं था, बल्कि भावनाओं, अस्मिता और बदलाव की इच्छा का संगम था। भारी मतदान ने पहले ही संकेत दे दिया था कि जनता इस बार केवल तमाशबीन नहीं है। और जब परिणाम सामने आए, तो वर्षों से जमी सत्ता की दीवारें दरकती नजर आईं। यह बदलाव किसी एक दिन का चमत्कार नहीं, बल्कि भीतर-ही-भीतर पनपती बेचैनी का परिणाम था, जो अंततः विस्फोट बनकर सामने आई। तमिलनाडु की कहानी तो मानो सिनेमा के पर्दे से उतरकर सियासत के मंच पर आ गई। यहां एक अभिनेता का उदय केवल लोकप्रियता की जीत नहीं, बल्कि उस भरोसे का प्रतीक है जो जनता नए चेहरों में तलाशती है। परंपरागत दलों के बीच उभरी यह नई शक्ति यह संकेत देती है कि राजनीति अब स्थिर नहीं रही; वह निरंतर बदलती धारा है, जिसमें नए प्रयोगों के लिए हमेशा जगह बनी रहती है। इन चुनावों ने चार स्पष्ट संदेश दिए हैं। पहला, मतदाता अब चुप जरूर रहता है, लेकिन अनजान नहीं। दूसरा, विश्वसनीय नेतृत्व किसी भी रणनीति से अधिक प्रभावी होता है। तीसरा, जब मतदान प्रतिशत बढ़ता है, तो वह बदलाव की आहट भी साथ लाता है। और चौथा, लोकतंत्र में कोई भी समीकरण स्थायी नहीं होता-हर चुनाव एक नई कहानी लिखता है। लोकतंत्र की असली ताकत न नारों में है, न रैलियों की भीड़ में, बल्कि उस एक पल में है जब एक आम नागरिक, चुपचाप अपने अधिकार का प्रयोग करता है।

पश्चिम बंगाल की जनता ने उगाया अपने भाग्योदय का नया सूर्य

जितेन्द्र तिवारी
स्तंभकार

सुदूर अमरीका में जा बसे एक भारतवंशी मित्र ने मुझे कल रात (मतगणना से पूर्व) एक संदेश भेजा- 'क्या मोदी-शाह भारतीय बंगाल को पुनः भारत में विलय करा पाएंगे?' भारत भूमि से बहुत दूर एक भारतीय की चिंता ने पश्चिम बंगाल की वास्तविक स्थिति को एक लाइन में व्यक्त कर दिया था। मैंने उन्हें आश्वस्त किया था, 'बंगाल में भाजपा अभी नहीं तो कभी नहीं का आह्वान करके मैदान में उतरी थी। इससे अनुकूल परिस्थिति हो ही नहीं सकती। बाकी.. बंगाल और बंगाली समाज का भाग्य!'

बंगाल की जनता का वंदन...साफ कहें तो बंगाल के हिन्दुओं का अभिनंदन कि उन्होंने अपने आत्मबोध को जगाया और जिस धरती ने पूरे भारत को क्रांति और अखंडता का संदेश दिया था, उसका स्वाभिमान फिर से जगाया। चार मई की शाम होते-होते बंगाल से आने वाले ढोल नगाड़ों के नाद और उड़ते गुलाल ने केवल एक राज्य ही नहीं बल्कि पूरे देश की राष्ट्रभक्त और रामभक्त लोगों के मन को भाव विभोर कर दिया, उल्लास से भर दिया। यह भले एक राज्य के शासन के लिए चुनाव हो पर इस परिणाम का बहुत दूरगामी प्रभाव होगा। बंगाल की वह धरती जिसने इस देश की आजादी का महामंत्र वन्देमातरम् दिया, जहां से पैदा हुई क्रांति की ज्वाला ने देश में ज्वार पैदा किया, जिस धरती पर जन्मे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जैसे महान क्रांतिकारी ने आजाद हिन्द का सपना जन-जन की आखों में जगाया, मां काली के भक्त परमहंस रामकृष्ण दास के शिष्य स्वामी विवेकानंद ने विश्व गगन पर हिन्दुत्व की आध्यात्मिक शक्ति का नाद 'गर्व से कहो हम हिन्दू हैं' गुंजाया, उस बंगाल के बारे में यह संशय, यह चिंता, पिछले 33 साल के कम्युनिस्ट कुशासन और अब 15 साल में ममता बनर्जी के तुष्टीकरण शासन से उपजी थी।

मुझे अच्छे से याद है कि जब ममता बनर्जी कम्युनिस्टों की हिंसक और खूनी सरकार के खिलाफ संघर्ष कर रही थीं तब वे हिंसा के शिकार कुछ लोगों को दिल्ली लेकर आई थीं। दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब के सभागार में हुए उस आयोजन का संचालन मैंने (इन पंक्तियों के लेखक) ही किया था, जिसमें उन लोगों को प्रदर्शित किया गया था जिनके हाथ कलाइयों से काट दिए गये थे। उनका कसूर सिर्फ इतना था कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस को वोट दिया था। उस समय ममता बनर्जी कांग्रेस से अलग होकर केन्द्र में अटल जी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार का समर्थन कर रहीं थीं। ममता बनर्जी ने जो उन दिनों संघर्ष किया, उसके लिए उन्हें जितनी प्रताड़ना सहनी पड़ी, उसी के लिए मैंने उस दिन उन्हें बार-बार बंगाल की शेरनी कहकर संबोधित किया था।

उस संघर्ष के बल पर कम्युनिस्टों के खूनी राज को उखाड़ कर सत्ता में पहुंची बंगाल की वह शेरनी मात्र 5 साल बाद ही अपनों के लिए ही खूंखार होने लगी थी। सत्ता पाने के बाद ममता बनर्जी का एक दूसरा ही रूप सामने आया, जो तुष्टिकरण की पराकाष्ठा तक पहुंच गया था। मां, माटी और मानुष का नारा लगाकर सत्ता में पहुंचीं ममता बनर्जी के लिए अब मुल्ला, मुअज्जिन और मदरसा ही सब कुछ हो गए थे। यही वजह है कि कभी भारत की स्वतंत्रता की आवाज उठाने वाली धरती से यह सुनाई देने लगा था कि यह मिनी पाकिस्तान है या यह बांग्लादेश है। जो बाबर कभी बंगाल की धरती तक नहीं पहुंचा, उसके नाम पर बाबरी मस्जिद बनाने की कसम खाने वाले वहां पैदा होने लगे थे। बंगाली महिलाओं की इज्जत दांव पर लगी थी और एक महिला मुख्यमंत्री की यह निर्लज्ज टिप्पणी थी कि अगर सुरक्षित रहना है तो रात के अंधेरे में घर से न निकलो।

मां काली का भक्त हिन्दू समाज चुप रहकर, भौचक होकर आश्चर्य से देख रहा था कि वोट बैंक की राजनीति में अंधी हो गई ममता बनर्जी को उनकी पीड़ा क्यों नहीं दिख रही है। आखिर क्या वजह है कि हिन्दू स्वाभिमन का उद्घोष 'जय श्रीराम' का नारा ममता के कानों में शीशे के घोल सा महसूस होता है। बंग भंग के आंदोलन से लेकर नोआखली के दंगों और विभाजन की त्रासदी को सहकर भी जो बंगाली समाज परम्परागत रूप से राष्ट्रभक्ति के रस में सराबोर रहा, उसके लिए यह सारी परिस्थितियां असहनीय थीं।

ऐसे में भारतीय जनता पार्टी ने उनकी पीड़ा को समझा। उसने पाया कि ममता बनर्जी एक तरफ तुष्टिकरण, दूसरी तरफ भ्रष्टाचार और तीसरे परिवारवाद के चंगुल में पड़कर केवल बंगाल ही नहीं बल्कि एक प्रकार से राष्ट्रवाद और भारत का भी अहित करने लगीं हैं। तब नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व, अमित शाह की कुशल कूटनीति और पूरे भाजपा संगठन और उसके कार्यकर्ताओं के अनथक परिश्रम ने बंगाल की राष्ट्रभक्त जनता के मन में विश्वास पैदा किया। उस विश्वास को पाकर ही बंगाल की राष्ट्रभक्त जनता ने अपने ऊपर से उस शासन को उखाड़ फेंका जिसमें वे घुट-घुट कर जी रहे थे। वे खुलकर अपने राष्ट्रभक्त होने का, हिन्दू होने का, रामभक्त होने का और यहां तक कि भारतीय होने का गर्व नहीं व्यक्त कर पा रहे थे। वे एक प्रकार से अघोषित मुस्लिम व्यवस्था के तले पिसता हुआ सा महसूस कर रहे थे। चार मई को जो परिणाम आया है वह इस बात की आश्वस्ति प्रदान करता है कि भारत का बंगाल हमेशा भारत का ही बंगाल रहेगा। बंगाल की संघर्षशील, क्रांतिकारी और राष्ट्रभक्त जनता ने लगभग 50 साल तक तीन धाराओं (कांग्रेस, कम्युनिस्ट और तृणमूल) में चलकर देख लिया है। स्वतंत्रता के बाद पहली बार बंगाल की धरती पर राष्ट्रवाद का नया स्रोत फूटा है, जिससे निकली धारा में उस राज्य के भविष्य के बारे में कोई संशय नहीं रहेगा और भारत के भाग्योदय का सूर्य भी और प्रखरता से चमक उठेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विश्व अस्थमा दिवस

अस्थमा की वैश्विक त्रासदी, भारत में होती हैं दुनिया की 46 फीसदी मौतें

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार

शहर की भागती भीड़ में अगर आप किसी चौराहे पर खड़े होकर गौर करें, तो आपको हर पांचवें-छठे बच्चे के कंधे पर लटके स्कूल बैग के किनारे से एक प्लास्टिक का इनहेलर झांकता मिल जाएगा। यह आज की वह कड़वी हकीकत है जिसे हम विकास की चकाचौंध में अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। हमने आलीशान हाईवे और चमकते एक्सप्रेस-वे तो बना लिए, हाथ में 5जी मोबाइल भी थाम लिया, लेकिन उसी हाथ में हमारे बच्चों के लिए नेबुलाइजर की पाइपें भी थमा दीं। हम विकास की ऐसी दौड़ में शामिल हो गए हैं जहां बैंक बैलेंस तो बढ़ रहा है, लेकिन फेफड़ों की उम्र घट रही है।

आज विश्व अस्थमा दिवस पर जब दुनिया इलाज की पहुंच की बात कर रही है, तो हमें यह पूछना होगा कि क्या हम वाकई बीमारी का इलाज ढूंढ रहे हैं या उस जड़ को ही खाद-पानी दे रहे हैं जो इस बीमारी को पैदा कर रही है?अस्थमा अब केवल जेनेटिक या पुरानी बीमारी नहीं रह गई है। यह विशुद्ध रूप से एक इकोलॉजिकल क्राइम यानी पर्यावरण के खिलाफ किए गए अपराध का नतीजा है। भारत की हवा में जो जहर घुल चुका है, वह सीधे हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचा रहा है।

प्रदूषण की बात चलते ही हमारी सुई अक्सर गाड़ियों के धुएं पर टिक जाती है, लेकिन हम उस मौसमी कहर को कैसे भूल सकते हैं जो उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से का दम घोंट देता है? खेतों में जलती पराली ने अस्थमा के संकट को एक भयावह मोड़ दे दिया है। जब किसान भाई मजबूरन खेतों में आग लगाते हैं, तो वह काला धुआं सरहदों को नहीं पहचानता। वह धुआं स्मॉग बनकर हमारे घरों के ड्राइंग रूम तक घुस आता है, और तब सांस के मरीजों के लिए हर एक पल मौत से लड़ने जैसा होता है। विडंबना देखिए कि जिस मिट्टी से हमें अन्न मिलता है, उसी मिट्टी के ऊपर जलती आग हमारे मासूमों के फेफड़ों को झुलसा रही है। अगर आंकड़े देखें तो भारत में करीब 3 करोड़ से ज्यादा लोग अस्थमा से जूझ रहे हैं। सबसे भयावह तथ्य यह है कि दुनिया भर में अस्थमा से होने वाली मौतों में लगभग 46 प्रतिशत मौतें अकेले भारत में होती हैं। भारत में अस्थमा मरीजों की तादाद उतनी बड़ी समस्या नहीं है, जितनी कि उनसे होने वाली मौतों का आंकड़ा, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।

यह आंकड़ा डराने वाला कम और शर्मिंदा करने वाला ज्यादा है। यह बताता है कि हमारे यहां या तो बीमारी की पहचान बहुत देर से होती है, या फिर इलाज इतना महंगा और जटिल है कि आम आदमी की पहुंच से बाहर है। अस्थमा के साथ सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि इसके साथ एक सामाजिक कलंक जुड़ा है। आज भी कई माता-पिता यह स्वीकार करने को तैयार नहीं होते कि उनके बच्चे को दमा है। उन्हें लगता है कि इनहेलर की लत लग जाएगी। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि इनहेलर ही सबसे सटीक इलाज है क्योंकि यह सीधे प्रभावित नली पर काम करता है। दवाइयों की गोलियां पूरे शरीर में घूमकर असर करती हैं, जबकि इनहेलर सीधे फेफड़ों पर निशाना साधता है। समाज की इसी नासमझी और इलाज के डर ने इस बीमारी को घर-घर में घातक बना दिया है। प्रदूषण की मार केवल बाहर ही नहीं है, हमारे घरों के भीतर भी है। अगरबत्ती का धुआं, बंद कमरों की नमी और रसोई से निकलता धुआं ये सब अस्थमा के मरीजों के लिए साइलेंट किलर का काम करते हैं। इसके ऊपर से बढ़ती गर्मी और हीटवेव ने इस संकट को दोगुना कर दिया है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हवा में ओजोन का स्तर और धूल के कण बढ़ते हैं, जो सांस की नलियों में सूजन पैदा कर देते हैं। अब समय केवल जागरूकता का नहीं, बल्कि जवाबदेही का है। सरकार को पराली प्रबंधन के ऐसे विकल्प देने होंगे जो किसान की जेब पर भारी न पड़ें, और सड़कों की धूल के लिए सख्त नियम बनाने होंगे। लेकिन क्या सिर्फ कानून काफी हैं? नागरिक के तौर पर हमें सोचना होगा कि हम सिर्फ एसी चलाकर गर्मी से तो बच रहे हैं, पर बाहर की हवा को और जहरीला नहीं बना रहे? क्या हम कूड़ा जलाने या बेवजह गाड़ियां दौड़ाने से पहले अपनी अगली पीढ़ी के फेफड़ों का ख्याल कर रहे हैं? हमें समझना होगा कि अस्थमा का इलाज सिर्फ महंगी दवाओं में नहीं है, बल्कि उस हवा में है जिसे हम और आप साझा करते हैं। यदि आज हमने अपनी जीवनशैली और पर्यावरण को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए, तो आने वाली नस्लें हमें माफ नहीं करेंगी। दवाएं तो शायद मिल जाएं, लेकिन कुदरती और खुली सांसों का कोई विकल्प नहीं है। आखिर हमारी तरक्की का क्या मतलब, अगर वह हमें खुली हवा में सुकून से सांस लेने के लायक भी न छोड़े?

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ एंड वैलनेस

रिसर्च ने बताया... मसल्स के लिए भारी वजन उठाना जरूरी नहीं

उभरी हुई चेस्ट, फूले हुए बाइसेप्स, वी-शेप बैक और चौड़े कंधे, एक सामान्य आदमी की विश-लिस्ट में यह सबकुछ शामिल होता है। आजकल महिलाएं भी मस्कुलर बॉडी की इच्छा रखने लगी हैं। लेकिन आधे लोगों की यह इच्छा जिम का नाम सुनते ही और वहां पर भारी-भरकम डंबल, बारबेल, केटलबैल उठाने के नाम से ही खत्म हो जाती है। वो भी तब, जब 2016 में ही मैकमास्टर यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने मस्कुलर बॉडी के लिए भारी-भरकम वेट लिफ्टिंग की जगह आसान तरीका बता दिया था।

यह तरीका पहले से ज्यादा आसान है और 'नो पेन नो गेन' वाले आइडिया से भी बचाता है। लेकिन बात ये है कि आखिर लोग मैकमास्टर यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स की इस बात को कब मानेंगे। ध्यान रखें कि क्षमता से ज्यादा वजन उठाने से शरीर को चोट लगने का खतरा भी बना रहता है।

रिसर्च के मुताबिक, आपको हल्का वजन उठाने से भी भारी वजन उठाने के बराबर फायदा मिलता है। आप जिम में अपनी पूरी ताकत के आधे जितना वजन उठाकर भी मस्कुलर बॉडी पा सकते हैं। मतलब साफ है कि भारी और उभरी चेस्ट के लिए अब आपको 50-50 किलो की वेटेड बारबेल उठाने की जरूरत नहीं है। यह काम 10 किलो की वेटेड बारबेल से भी हो सकता है।

हल्का वजन उठाने से फायदा

इस स्टडी के सीनियर ऑथर और डिपार्टमेंट ऑफ काइन्सियोलॉजी के प्रोफेसर स्टुअर्ट फिलिप्स ने बताया था कि यहां पर मसल्स फटीग का रूल लागू होता है। मतलब आपको वजन तब तक उठाना है, जब तक कि मसल्स जवाब ना दे जाए। जब आप आखिर के 2-3 रैप्स जबरदस्ती लगाते हैं तो मसल्स फाइबर वैसे ही टूटते हैं, जैसे भारी वजन के रैप्स लगाने के बाद होते हैं।

दो ग्रुप पर हुई रिसर्च

रिसर्चर्स ने अनुभवी वेट लिफ्टर्स पुरुषों के दो ग्रुप पर स्टडी की। एक ग्रुप ने हल्का वेट (अपनी पूरी ताकत का 50 परसेंट तक) उठाकर 20 से 25 रैप्स के सेट्स लगाए। दूसरे ग्रुप ने भारी वेट (अपनी पूरी ताकत का 90 परसेंट तक) उठाकर 8 से 12 रैप्स के सेट्स लगाए। दोनों ने फेलियर के पॉइंट तक एक्सरसाइज की। रिजल्ट में दोनों के मसल्स मास और मसल्स फाइबर में बराबर बढ़ोतरी पाई गई।

सुविचार

तरीका कुछ भी हो जीवन जीने का पर हमेशा खुश रहने का प्रयास करें।

-अज्ञात

निशाना

अपनी ढपली अपना राग..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

अपनी ढपली अपना राग क्या कहिये,
हर दामन पर गहरा दाग़ क्या कहिये,
कैसे आज बचाएँ खुद को हम प्यारे,
दसों दिशाओं लगी है आग क्या कहिये,
आम चाहिए खास यहाँ सबको खाने,
रोज कुल्हाड़ी रहे काटते बाग़ क्या कहिये,
आत्म केंद्रित जीवन बस खुद में जीते,
है इतना बस अपना त्याग क्या कहिये,
देश औ दुनियाँ से हमको क्या लेना है,
बस हमको खुद से अनुराग क्या कहिये,
किस पर करें भरोसा दुनियाँ में 'अमृत'
आस्तीन में पलते नाग क्या कहिये।

AI अपडेट

भारत को मिलेगा पहला ऑर्बिटल डेटा सेंटर, अंतरिक्ष से ट्रेन होंगे एआई के मॉडल्स

भारत को पहला ऑर्बिटल डेटा सेंटर मिलने वाला है। इसे पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए Pixxel और AI कंपनी Sarvam AI ने हाथ मिलाया है। इसकी खास बात होगी कि यह पूरी तरह से स्वदेशी टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा। दुनियाभर की टेक कंपनियां इस दिशा में आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में इस साल के आखिर तक द पाथफाइंडर नाम की यह डेटा सेंटर भारत को AI की रेस में काफी आगे पहुंचा देगा।

भविष्य में AI की ट्रेनिंग जमीन पर नहीं बल्कि स्पेस में होगी। भारत का पहला ऑर्बिटल डेटा सेंटर 200 किलो का एक सैटेलाइट होगा, जिसका नाम द पाथफाइंडर है। इसे इस साल के आखिर तक पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। यह सिर्फ एक सैटेलाइट नहीं बल्कि उड़ता हुआ डेटा सेंटर होगा, जिसमें शक्तिशाली GPU लगे होंगे।

यह ऐतिहासिक मिशन भारत की आत्मनिर्भर AI शक्ति को अंतरिक्ष तक ले जाने का एक साहसिक कदम होने वाला है। इसकी सबसे खास बात है कि यह पूरी तरह से स्वदेशी टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा।

क्या है द पाथफाइंडर?

द पाथफाइंडर एक साधारण सैटेलाइट से काफी अलग होगा। इसमें वही शक्तिशाली GPU लगे होंगे, जो जमीन पर मौजूद आधुनिक डेटा सेंटर्स में लगे होते हैं। इसकी मदद से AI मॉडल्स को सीधे अंतरिक्ष में ही ट्रेन किया जा सकेगा। ऐसा करने की बड़ी वजह है कि जमीन पर डेटा सेंटर्स के लिए बिजली की भारी मांग एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। अंतरिक्ष में भरपूर सौर ऊर्जा से यह ऑर्बिटल डेटा सेंटर बिना ऊर्जा की समस्या के लगातार काम कर सकेगा।

आत्म निर्भर AI टेक्नोलॉजी

Pixxel और Sarvam AI के बीच हुई पार्टनरशिप में Pixxel का काम सैटेलाइट डिजाइन करना, बनाना और लॉन्च करना होगा। इसे उनकी Gigapixxel फैसेलिटी में तैयार किया जाएगा। वहीं Sarvam AI अंतरिक्ष में अपने भाषा मॉडल की ट्रेनिंग और इन्फेंसिंग संभालेगी। इस मिशन का सबसे खास पहलू यह है कि यह सॉवरेन AI (Sovereign AI) की दिशा में बड़ा कदम है। इस ऑर्बिटल डेटा सेंटर के चलते भारत को अपने AI मॉडल्स के लिए विदेशी क्लाउड या जमीन आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

अजब - गजब

मगरमच्छ और दरियाई घोड़े चबाने वाली जनजाति, बस 45 साल तक रहते हैं जिंदा!

दुनिया में कई ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी लाइफस्टाइल और खान-पान के तरीके लोगों को हैरान कर देते हैं। एक ऐसी जनजाति भी है, जिनके लिए मगरमच्छ और दरियाई घोड़े का शिकार करना उनके शौर्य का प्रतीक है। यह है एल मोलो जनजाति जो तुर्काना झील के किनारे बसी हुई है। यह केन्या के सबसे छोटे समुदायों में गिनी जाती है, जिसकी आबादी महज 300 से 400 तक सीमित रह गई है। इसकी सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जहां आम इंसान मगरमच्छ या दरियाई घोड़े के नाम से कांप जाता है, वहीं ये लोग इनका शिकार कर अपना पेट भरते हैं।

एल मोलो जनजाति के लोग पारंपरिक रूप से कुशल शिकारी होते हैं। इस समाज में वीरता का पैमाना बहुत अलग है। यहां जो पुरुष जितने अधिक मगरमच्छ और दरियाई घोड़ों का शिकार करता है, उसे समाज में उतना ही सर्वश्रेष्ठ और सम्मानित माना जाता है। उनके लिए यह केवल भोजन का स्रोत नहीं, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और गौरव का हिस्सा है। वे इन भारी-भरकम जानवरों को बहुत ही पारंपरिक और साधारण हथियारों जैसे हार्पून (एक प्रकार का भाला) से मार गिराते हैं। शिकार के बाद पूरा गांव मिलकर इसका उत्सव मनाता है और मांस को पकाकर एक-दूसरे को खिलाया जाता है।

झील पर निर्भरता और बदलती जीवनशैली: तुर्काना झील, जिसे 'जेड सी' भी कहा जाता है, इस जनजाति की जीवनरेखा है.-। प्राचीन समय से ही ये लोग इस झील के जलीय जीवों पर निर्भर रहे हैं। हालांकि, बदलते समय और वन्यजीव संरक्षण कानूनों के कारण इनकी लाइफस्टाइल में बदलाव आया है। केन्याई सरकार ने वन्यजीवों की घटती संख्या को देखते हुए मगरमच्छ और दरियाई घोड़े के शिकार पर कड़ा प्रतिबंध लगा दिया है। अब इस जनजाति को शिकार के बजाय मछलियां पकड़कर अपना जीवन यापन करने की हिदायत दी गई है। एल मोलो लोग अब मुख्य रूप से नाइल पर्च और तिलापिया जैसी मछलियों पर निर्भर हैं, लेकिन फिर भी चोरी-छिपे शिकार की खबरें कभी-कभी सामने आती रहती हैं।

सिर्फ 45 साल की औसत उम्र: सबसे दुखद तथ्य यह है कि इस जनजाति के लोग बहुत कम उम्र तक ही जीवित रह पाते हैं। उनकी औसत उम्र मात्र 30 से 45 वर्ष के बीच है। वैज्ञानिक और मानवविज्ञानी इसके पीछे कई गंभीर कारण बताते हैं। पहला मुख्य कारण उनके भोजन में पोषण की भारी कमी और झील के दूषित पानी का सेवन है। तुर्काना झील का पानी अत्यधिक क्षारीय है और इसमें फ्लोराइड की मात्रा बहुत ज्यादा है। इस पानी को लगातार पीने से उनके दांत और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, जिससे वे कम उम्र में ही बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। एल मोलो न केवल शारीरिक रूप से बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी विलुप्ति की कगार पर हैं. उनकी अपनी मूल 'एल मोलो भाषा' अब लगभग खत्म हो चुकी है। वर्तमान पीढ़ी अब पड़ोसी जनजातियों की भाषा 'संबुरू' या 'तुर्काना' बोलती है। उनकी पारंपरिक घास की झोपड़ियां और जीवन जीने का तरीका अब धीरे-धीरे आधुनिकता की भेंट चढ़ रहा है। केन्याई सरकार और कई अंतरराष्ट्रीय संगठन अब उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और साफ पानी मुहैया कराने के प्रयास कर रहे हैं, ताकि दुनिया की इस सबसे बहादुर और अनोखी जनजाति के अस्तित्व को बचाया जा सके।

न्यूज विंडो

गरीब मजदूरों को लौटाए 75 हजार रुपए, कार्रवाई से राहत

नर्मदापुरम। मोहासा में ग्रू सोलर कंपनी के काम पर लगी पालीवाल कंस्ट्रक्शन फर्म ने उत्तर प्रदेश के छह गरीब मजदूरों की बकाया मजदूरी चुकाई। श्रम विभाग की फौरन कार्रवाई से मजदूरों को कुल 75 हजार रुपये मिले, साथ ही यात्रा भत्ता और भोजन की व्यवस्था भी हुई। श्रम कार्यालय को प्रेमचंद्र सहित पांच अन्य मजदूरों (ग्राम कचनरवा, तहसील रावतगंज, जिला सोनभद्र, उत्तर प्रदेश) ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मोहासा (तहसील माखननगर) स्थित ग्रू सोलर कंपनी में मजदूरी करने के बाद फर्म ने भुगतान नहीं किया और चक्कर लगवाए। श्रम निरीक्षक सरिता साहू ने तुरंत दोनों पक्षों की बैठक बुलाई। बैठक में ठेकेदार पालीवाल कंस्ट्रक्शन ने शिकायतकर्ताओं को 75,000 रुपये की बकाया मजदूरी सौंपी। इसके अलावा 3,000 रुपये की वापसी यात्रा राशि दी गई, भोजन की व्यवस्था की गई और मजदूरों का पंजीयन उत्तर प्रदेश भवन निर्माण श्रमिक योजना में कराया गया। मजदूरों ने जिला प्रशासन और श्रम विभाग की त्वरित व प्रभावी कार्रवाई पर संतोष जताते हुए आभार व्यक्त किया।

त्वरित समाधानः बमुरिया में बिजली समस्या दूर, किसानों को मिली राहत

नर्मदापुरम। जिला प्रशासन की जनसुनवाई व्यवस्था सुशासन का प्रतीक बन रही है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर ग्राम बमुरिया के किसानों की बिजली शिकायत का तुरंत निराकरण कर दिया गया। शिकायतकर्ता अभय राजपूत और अजय राजपूत ने डोलरिया सबस्टेशन के तहत कृषि लाइन को घरेलू फीडर से जोड़ने से उत्पन्न समस्या की शिकायत कलेक्टर के समक्ष रखी थी। कलेक्टर ने तत्काल एमपीईबी को कार्रवाई के निर्देश दिए। विभागीय टीम ने जांच में पाया कि 33/11 केवी उपकेन्द्र डोलरिया से जुड़े 11 केवी बाईखेडी कृषि फीडर के 12 पोल क्षतिग्रस्त होने से बमुरिया के 4 ट्रांसफार्मरों पर 30 कृषि पंप प्रभावित थे। वैकल्पिक रूप से इन्हें डुडूगांव घरेलू फीडर से बिजली दी जा रही थी।डोलरिया वितरण केंद्र ने क्षतिग्रस्त लाइनों का सुधार कर कृषि फीडर को सुचारू कर दिया। अब कृषि पंप बाईखेडी फीडर से और घरेलू कनेक्शन डुडूगांव फीडर से अलग-अलग चल रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने समाधान पर संतुष्टि जाहिर कर प्रशासन का आभार माना।

मिट्टी-गिट्टी के अवैध परिवहन पर प्रशासन सख्त, दो डंपर जब्त

नर्मदापुरम। कलेक्टर के सख्त निर्देशों पर जिले में रेत, मिट्टी व अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन व ओवरलोडिंग के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। खनिज विभाग ने रविवार को दो डम्परों को जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में खड़ा कर दिया। औद्योगिक क्षेत्र मोहासा (तहसील माखननगर) से डम्पर नंबर ख्क्क6॥1520 को मिट्टी के अवैध उत्खनन व भंडारण में लिप्त पाए जाने पर जब्त किया गया। इसे पुलिस थाना माखननगर की अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है। वहीं, ग्राम सहेली (तहसील इटारसी) से डम्पर नंबर ऋ़्‌17तक्क0670 को गिट्टी का ओवरलोड परिवहन करते हुए पकड़ा गया। इसे पुलिस थाना केसला के हवाले कर दिया गया। विभाग ने रेत परिवहन वाले वाहनों की सघन जांच शुरू की है। वाहन ढककर चलाने व नियंत्रित गति का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त मामलों में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन व भंडारण निवारण) नियम 2022 के तहत कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

दलित दंपति के साथ मामूली सी बात को लेकर दबंगों ने बर्बरता की, दो गिरफ्तार

'पैर पड़ रही हूं, मत मारो', दलित महिला पर कूद पड़े दबंग, लाठी-डंडों से की मारपीट

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के अशोकनगर में दलित दंपति पर बर्बरता का मामला सामने आया है। यहां दबंगों दलित दंपति पर मामूली सी बात को लेकर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो को दिखाने से पीड़ित दंपति की पहचान उजागर हो सकती यही इसलिए खबर में उसे नहीं जोड़ा गया है।

मामला कचनार थाना क्षेत्र के ग्राम छीपोन का है। तेज हवा के कारण गिरे एक पेड़ को हटाने के मामूली विवाद में गांव के कुछ दबंगों ने एक दलित दंपती की लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई कर दी। बीच खेत में महिला और पुरुष के साथ की गई इस अमानवीय मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। शिकायत पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 3 मई की है। ग्राम छीपोन निवासी पीड़ित दलित व्यक्ति ने कचनार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इस शिकायत में पीड़ित ने बताया कि तेज आंधी के कारण उनके आंगन में लगा एक पेड़ टूटकर पड़ोसी प्रतिपाल सिंह राजपूत के बगीचे में गिर गया था। जब वह अपनी पत्नी के साथ उस गिरे हुए पेड़ को वहां से हटा रहे थे, तभी प्रतिपाल सिंह राजपूत, बृजेन्द्र सिंह राजपूत और बलवीर सिंह राजपूत मौके पर आ गए। तीनों ने विवाद शुरू कर दिया और लाठी-डंडों से दंपती पर हमला कर दिया। इस मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दो दबंग एक महिला को जमीन पर घसीटकर उससे मारपीट कर रहे है।

दो आरोपी गिरफ्तार, तीसरे आरोपी की तलाश

एसडीओपी विवेक शर्मा ने बताया कि शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट, मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी राजीवकुमार मिश्रा ने थाना प्रभारी पूनम सेलर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस ने आरोपी प्रतिपालसिंह राजपूत पुत्र तोफानसिंह राजपूत और बृजेंद्रंसिंहू राजपूत पुत्र प्रतिपालसिंह राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं तीसरे फरार आरोपी बलवीरसिंह राजपूत की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

एसडीओपी बोले दबंगई किसी की बर्दाश्त नहीं

एसडीओपी का कहना है कि जिले में किसी भी प्रकार की दबंगई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसपी राजीव कुमार मिश्रा का कहना है कि आम नागरिक बेखौफ होकर रहें और किसी भी तरह की आपराधिक घटना या अत्याचार की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराधियों पर समय रहते प्रभावी लगाम कसी जा सके।

शमीम बने प्रदेश महामंत्री

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस के उर्जावान युवा नेता शमीम कुरेशी को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के फुटकर एवं लघु व्यवसायिक सामाजिक प्रकोष्ठ में प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया है कुरैशी की नियुक्ति होने पर कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसर खान, सुरेश यादव,अवध नारायण श्रीवास्तव ने मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्यप्रदेश नेता प्रतिपक्ष आदरणीय उमंग सिंघार , समस्त विभाग/प्रकोष्ठ प्रभारी डां.महेंद्र सिंह चौहान, संगठन महासचिव डॉ. संजय कामले व प्रदेशाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र सिंह व वरिष्ठ नेता भागीरथ पंसौरिया जी का आभारव्यक्त किया है।

डीईओ ऑफिस में 80 हजार की रिश्वत लेते धराए 3 बाबू

दमोह। दोपहर मेट्रो

सरकार की तमाम सख्तियों और छापामार टीमों द्वारा की जा रही लगातार कार्रवाईयों के बावजूद मध्य प्रदेश के सरकारी दफ्तरों में रिश्वतखोरी के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। हालात ये हैं कि, प्रदेश के किसी न किसी जिले में रोजाना रिश्वत लेते अफसर या कर्मचारी रंगे हाथों पकड़े जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सूबे के दमोह जिले में सामने आया। सोमवार को लोकायुक्त पुलिस ने बड़ी ट्रैप कार्रवाई करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के तीन बाबूओं को 80 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। ये कार्रवाई लोकायुक्त संभाग सागर के उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज सिंह के मार्गदर्शन और पुलिस अधीक्षक योगेश्वर शर्मा के निर्देशन में की गई है। जानकारी के अनुसार, आवेदक नवेन्द्र कुमार

आठया, पिता गिरधारी लाल आठया प्राथमिक शिक्षक विज्ञान हैं, जो तात्कालिक रूप से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पटेरा, जिला दमोह में पदस्थ हैं। वे ग्राम करैया जोशी, तहसील हटा के निवासी हैं। आवेदक ने लोकायुक्त कार्यालय सागर पहुंचकर 13 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी निलंबन अवधि से बहाली कराने और विभागीय जांच समाप्त करवाने के एवज में 1 लाख रुपए की मांग डीईओ ऑफिस के बाबू कर रहे है। बाद में लोकायुक्त टीम के संरक्षण में 80 हजार रुपए रिश्वत देने की योजना बनाई गई। योजना के तहत जैसे ही डीईओ ऑफिस में अटैच बाबू अनिल कुमार साहू माध्यमिक शिक्षक, माध्यमिक शाला भूरी, संकुल उर्दू स्कूल दमोह निवासी बीएसएनएल कॉलोनी दमोह, मनोज कुमार श्रीवास्तव सहायक ग्रेड-2, निवासी वसुंधरा कॉलोनी, जैन मंदिर के पास और नीरज कुमार सोनी, सहायक ग्रेड-3निवासी असाटी वार्ड, राधारमण मंदिर के पास तय स्थान पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने पहुंचे आवेदक से 80 हजार की रिश्वत लेकर आपकी बाइक की डिक्की में रखे, लोकयुक्त टीम ने उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नवाचारपूर्ण पहल

तरंगिनि मेले में दिखा शिक्षा का रंग

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

आजीविका भवन में तरंगिनि मेला का सफल एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के सहयोग से संपन्न हुआ। मेले में 6 सेक्टरों की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने प्रतिभागी के रूप में विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक स्टॉल लगाए, जबकि 10 सेक्टरों की कार्यकर्ता दर्शक के रूप में शामिल हुईं। स्टॉलों पर बच्चों के कार्यों का प्रदर्शन करते हुए गतिविधियों को सरल एवं रोचक तरीके से समझाया गया। प्रदर्शित स्टॉलों में माप एवं संख्या ज्ञान, भाषा विकास, तार्किक सोच, भावनात्मक अभिव्यक्ति, शारीरिक कौशल तथा प्रारंभिक बाल शिक्षा से जुड़ी विविध शिक्षण-सहायक सामग्री (टीएलएम) शामिल रही। इन सामग्रियों के माध्यम से यह बताया गया कि बच्चे खेल-आधारित और सहज तरीकों से प्रभावी ढंग से सीख सकते हैं। बाल कृति कोना विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जहां बच्चों की रचनात्मक कृतियों को प्रदर्शित किया गया। मेले में प्रत्यक्ष गतिविधि कोनों का भी आयोजन किया गया, जहां प्रतिभागियों ने चित्रकला, कागज शिल्प, कविता-गीत एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेकर अनुभवात्मक सीख हासिल की। कार्यक्रम में 15 सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। मेला का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों में नवाचार एवं प्रभावी शिक्षण को बढ़ावा देना है, जिससे बच्चों के समग्र विकास को सशक्त किया जा सके।

जुलूस में आतिशबाजी कर बांटी मिठाई

बंगाल सहित तीन राज्यों में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर भाजपाइयों ने मनाया जश्न

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

उत्तर पूर्व के तीन राज्यों में पूर्ण बहुमत की भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विजय उत्सव मनाया। आसाम, पांडुचेरी सहित पहली बार पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर कार्यकर्ताओं में खासी प्रसन्नता दिखाई दी। बंगाल सहित तीनों राज्यों में जीत के लिए आशान्वित भाजपा कार्यकर्ता सुबह मतगणना शुरू होने के साथ ही परिणामों पर निगाह जमाए बैठे थे मतपेटी खुलने के साथ मिल रही बढ़त से भाजपा सरकार बनने का रास्ता साफ होने लगा था दोपहर होते होते जैसे ही भाजपा की निर्णायक जीत सामने आने के बाद स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में बस स्टैंड परिसर पर एकत्रित होकर जोरदार आतिशबाजी करते हुए ढोल पर जमकर डांस किया।

इसके बाद नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने सुभाषनगर से होते हुए अटल पथ,छतरी चौराहे,कष्टम सर्राफा बाजार,चांदनी चौक से कोर्ट दरवाजे तक जोरदार नारेबाजी करते हुए रैली निकाली। इस दौरान भाजपा नेताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जगह जगह आतिशबाजी भी चलाई।

बंगाल की जीत से उत्साहित कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को वरिष्ठ नेताओं ने नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि यह ममता के अन्याय कुशासन पर मोदी सरकार के सुशासन ओर विश्वास की जीत है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा संगठन पर बंगाल सहित असम एवं पांडुचेरी की जनता ने विश्वास जताते हुए बंगाल से टीएमसी के आतंक का सफाया किया हैं। इस अवसर पर भाजपा नेता हरीबाबू भार्गव, रमेश यादव संतोष चौरे,मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह,नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, पार्षद हरिचरण अहिरवार,जयनारायण सेन, सचिन शर्मा, टीकाराम शाक्य,धर्मेंद्र जैन, बलजीत यादव,अजमल खान, संजय सोनी,राजा मियां, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मुनीम गौरी,संतोष रघुवंशी,भूपेश भार्गव,नरेंद्र पाटीदार तथा रिंकू यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर

केडीबीएम महाविद्यालय में मानवता और प्रकृति का अनूठा संगम

एनएसएस का जल एवं दाना पात्र अभियान 8 वर्षों से निरंतर जारी

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

भीषण गर्मी के प्रचंड दौर में जहां जल की एक-एक बूंद का महत्व बढ़ जाता है, वहीं पक्षियों के लिए यह समय जीवन संघर्ष जैसा होता है। ऐसे संवेदनशील समय में राष्ट्रीय सेवा योजना केडीबीएम महाविद्यालय इकाई द्वारा विगत 8 वर्षों से सतत रूप से संचालित जल एवं दाना पात्र अभियान मानवता, करुणा और पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

इस वर्ष भी महाविद्यालय परिसर में यह अभियान अत्यंत उत्साह, समर्पण और सेवा भावना के साथ आयोजित किया गया। स्वयंसेवकों ने परिसर के विभिन्न स्थानों पर पेड़ों में सुसंगठित ढंग से जल एवं दाना पात्र लगाए, जिससे पक्षियों को भीषण गर्मी में सहज रूप से पानी और भोजन उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही स्वयंसेवकों ने जन-जागरूकता का संदेश देते हुए आम नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने

घरों, छतों और आस-पास के क्षेत्रों में जलपात्र रखकर इस पुण्य कार्य में सहभागी बनें। इस सतत सेवा अभियान के पीछे महाविद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती श्वेता आनंद त्यागी का दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर मार्गदर्शन प्रमुख आधार रहा है। उनके निर्देशन में यह अभियान पिछले 8 वर्षों से निरंतर संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि ÷प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति हमारी जिम्मेदारी ही सच्ची मानवता है। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास समाज में बड़े परिवर्तन की नींव रखते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य शांताराम मराठा ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक योजना नहीं, बल्कि यह विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण और सामाजिक दायित्वों को समझने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुजीत कुशवाह ने अभियान के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सेवा, संवेदना और समर्पण ही एनएसएस की वास्तविक पहचान है, और ऐसे अभियानों से विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता एवं मानवीय मूल्यों का विकास होता है। अभियान के अंत में सभी स्वयंसेवकों ने संकल्प लिया कि वे भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक, पर्यावरणीय एवं जनहितकारी कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते रहेंगे। केडीबीएम महाविद्यालय का यह निरंतर प्रयास न केवल पक्षियों के लिए जीवनदायिनी पहल है, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि मानवता का असली स्वरूप तभी पूर्ण होता है, जब उसमें प्रकृति और सभी जीवों के प्रति करुणा समाहित हो।

टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या पहुंची 30 के पार, निगरानी सुरक्षा पर हैं शावक, लोकेशन जारी करने से बनाई दूरी

खुशखबरी: बाघिन मस्तानी एन-6 ने दिया चार शावकों को जन्म

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में सोमवार की सुबह एक गुफा के बाहर बाघिन के साथ चार शावक देखे गए हैं। गश्ती दल ने उन्हें कैमरे में कैद कर लिया। यह बाघिन-एन 6 है जिसका नाम मस्तानी है जिसे एक साल पहले पेंच टाइगर रिजर्व से रेस्क्यू करके यहां लाया गया था। बाघिन व शावक स्वस्थ बताए जा रहे हैं। दो साल शावकों के विकास के लिए चुनौतीपूर्ण रहते हैं। निगरानी के लिए आसपास ट्रैकर कैमरे लगाए हैं। चार शावकों के जन्म के साथ टाइगर रिजर्व में बाघों का कुनबा 30 के पार पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि चारों शावकों को एक ही बाघिन एन-6 ने जन्म दिया है हालांकि टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने सुरक्षा की दृष्टि से इनकी लोकेशन सहित फोटो आदि जारी करने से बच रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि चारों शावक स्वस्थ है और अपनी मां के साथ सुरक्षित टाइगर रिजर्व क्षेत्र में जंगल को समझ रहे हैं। एक साल 2018 में ढाई साल की बाघिन को नौरादेही अभयारण्य (अब वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व) लाया गया था। यह पहला मौका था जब किसी बाघिन ने यहां कदम रखा था। इसके पहले तक यहां पन्ना के बाघ आते-जाते रहे हैं बाघिन राधा एन-1 से वंशवृद्धि के लिए दो माह बाद बांधवगढ़ से साढ़े तीन साल का एक बाघ किशन एन-2 यहां लाया गया। एक साल बाद खुशखबरी आई। बाघिन राधा ने पहली बार मई 2019 में तीन शावकों को जन्म दिया। इनमें दो मादा और एक नर था। बाघिन राधा की बेटियां भी बाघों का कुनबा बढ़ा रही हैं। एक बार में 3-4 शावकों को जन्म दे रही हैं। आखिरी बार वंशवृद्धि की खबर एक साल पहले मिली थी, जब बाघिन एन-112 अपने 4 शावकों के साथ कैमरे में कैद हुई थी। टाइगर रिजर्व में करीब 65 फीसदी संख्या बाघिनों की बताई जा

रही हैं। वहीं दूसरी ओर वन अमले द्वार बाघों की सुरक्षा को शत प्रतिशत करने के लिए विशेष सुरक्षा घेरा भी बनाया है। जिसमें प्रशिक्षित लोगों के साथ 150 सुरक्षाकर्मी सुरक्षा के लिए तैनात है। हालांकि अन्य कोई भी जानकारी फिलहाल सुरक्षा कारणों से सामने नहीं लाई जा रही है लेकिन फिलहाल वन अमला बढ़ते कुनवे को लेकर प्रसन्न और सुरक्षा को लेकर आश्वस्त है।

सभी छह रेंज में घूम रहे बाघ

विभागीय जानकारी के अनुसार वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में कुल छह रेंज है और इन सभी रेंज में बाघ विचरण कर रहे हैं वन विभाग को सभी रेंज में मिले बाघों के पदचिन्ह इसकी पुष्टि कर रहे हैं। यहां धीरे-धीरे पर्यटन का विस्तार हो रहा है। तीन साल से सफारी भी शुरू हो गई है बाघों के लिए अनुकूल बने टाइगर रिजर्व में अब और ज्यादा तेजी से बाघों की संख्या बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है वहीं बाघों की संख्या बढ़ने के बाद यहां टूरिज्म की भी काफी संभावनाएं है। पर्यटकों को बाघ दिखेंगे तो यहां आने वालों की तादाद भी बढ़ेगी। टाइगर रिजर्व प्रबंधन को पर्यटकों के लिए कुछ सुविधाएं बढ़ानी होंगी आसपास स्टे होम्सए सफारी वाहन और हवाई सेवा की सुविधा मिले तो यहां देश-विदेश से टूरिस्ट आएंगे। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. रजनीश सिंह ने बताया कि पेंच से लाई गई इस बाघिन ने पहली बार बच्चों को जन्म दिया है। टाइगर रिजर्व में बाघों के लिए काफी अनुकूल माहौल है। यही बाघ वंशवृद्धि का बड़ा कारण हैं। बाघिन व शावकों की निगरानी बढ़ा दी गई है।

न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा की पहली महिला डॉक्टर बनीं डॉ. ज़ेबा खान

तेंदूखेड़ा। नगर के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि नगर की बेटी डॉ. ज़ेबा खान ने चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की है। वे तेंदूखेड़ा की पहली महिला डॉक्टर बनकर उभरी हैं, जिससे पूरे नगर में खुशी और उत्साह का माहौल है। डॉ. जेबा खान, जिन्हें स्नेहपूर्वक सोन परी के नाम से भी जाना जाता है, जिला दमोह के तेंदूखेड़ा नगर के वार्ड नंबर 7 की निवासी हैं। उनके पिता डॉ. अजीज खान और माता श्रीमती रिजवाना ने उनकी शिक्षा और सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। परिवार के सहयोग और मार्गदर्शन के साथ-साथ जेबा खान की मेहनत, लगन और समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है। उन्होंने पीपुल्स यूनिवर्सिटी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त कर अपने परिवार और नगर का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि ने विशेष रूप से नगर की बेटियों और युवतियों को प्रेरित किया है कि वे भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने सपनों को साकार कर सकती हैं। तेंदूखेड़ा जैसे छोटे नगर से निकलकर चिकित्सा क्षेत्र में इस प्रकार की सफलता हासिल करना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। डॉ. ज़ेबा खान की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि दृढ़ संकल्प और मेहनत हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

दिन में उत्खनन और रात में परिवहन क्या ऊपर तक जुड़ा है खेल

शहडोल। जिले के बटुरा-केशवाही क्षेत्र में अवैध कोयला उत्खनन अब सिर्फ एक स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि एक बड़े नेटवर्क की कहानी बनता जा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, हर रात मशीनों की आवाज और ट्रैकों की कतारें इस बात की गवाही देती हैं कि जमीन के नीचे से काला सोना तेजी से निकाला जा रहा है। गांव-गांव में अब यह चर्चा आम हो गई है कि इस पूरे खेल में कुछ स्थानीय प्रभावशाली लोगों की भूमिका हो सकती है। अध्यक्ष पति का नाम भी लोगों की बातचीत में सामने आ रहा है। सवाल लगातार उठ रहे हैं। जब इतने बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है, तो कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की भूमिका को लेकर भी लोगों के मन में संदेह पैदा हो रहा है।

कर्मचारी संघ ने लंबित मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट का किया घेराव

कटनी। कटनी में मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट का घेराव किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के दैनिक वेतन भोगी और स्थायीकर्मियों ने सीएम के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। संघ ने शासन से अल्प मानदेय पर काम कर रहे कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द निराकरण करने की मांग की है।

कान्हा के किसली रेंज में एक नर बाघ का शव मिला, शुरू की जांच

मंडला। जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व की किसली रेंज में एक 4 वर्षीय नर बाघ का शव बरामद हुआ है। डिगडोला मेल के नाम से पहचाने जाने वाले इस बाघ का शव मगरनाला क्षेत्र में गश्ती दल को मिला। प्रारंभिक जांच और शरीर पर मिले निशानों के आधार पर वन विभाग ने मौत का कारण दूसरे बाघ के साथ आपसी संघर्ष बताया है।कान्हा टाइगर रिजर्व के उप निदेशक (कोर) प्रकाश कुमार वर्मा ने बताया कि बाघ की मौत लगभग 10 से 12 घंटे पहले हुई होगी। सूचना मिलते ही वन अमला, डॉग स्क्वायड और प्रबंधन की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मौत के सटीक कारणों की पुष्टि के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

धार जिला अस्पताल की घटना, पड़ताल जारी

सुरक्षा गार्ड पर चाकू से जानलेवा हमला, आए 50 से ज्यादा टांके

धार। दोपहर मेट्रो

जिला अस्पताल परिसर में सोमवार दोपहर उजब एक युवक ने अस्पताल के सुरक्षा गार्ड पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे उपचार के लिए तत्काल इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, चिल्ड्रन वार्ड के बाहर तैनात गार्ड मनीष पाटीदार ने मनीष राठौर को बाइक निर्धारित पार्किंग में खड़ी करने के लिए कहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई।

गुस्से में आरोपी ने चाकू निकालकर गार्ड पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गार्ड के पेट में गहरा घाव हुआ और काफी खून बह गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल घायल को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक?टरों के अनुसार कट लंबा लगने से उसे 50 से अधिक टांके आए है।

आरोपी पर हत्या की कोशिश का केस

डॉक्टर दिलीप कुमार चौधरी के अनुसार, घायल के पेट में गहरा घाव है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे आईसीयू में भर्ती किया गया है। कोतवाली थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान ने बताया कि आरोपी मनीष राठौर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी आदतन अपराधी है, उस पर कोतवाली थाने में 8 से अधिक अपराध दर्ज थे, घटना के एक दिन पूर्व महालक्ष?मी नगर में भी उसने अपनी पत?नी के साथ मारपीट की थी, जिसकी एफआईआर उसने दर्ज कराई थी, सूत्रों के मुताबि?क आरोपी मनीष एक दिन पूर्व से ही चाकू लेकर वारदात करने के इरादे से शहर में घुम रहा था।

करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में दो आरोपियों पर केस दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के धामनोद थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत के पुराने स्टैंड कॉम्प्लेक्स की छत पर अवैध रूप से कब्जा करने और फर्जीवाड़े के जरिए करोड़ो रुपये की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों के प्रकरण दर्ज किया है। शिकायतकर्ता हसन अली निवासी राजोद हाल मुकाम अहमदाबाद ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2018 में आरोपी मोहम्मद रफीक उर्फ लालू ने धामनोद नगर पंचायत कॉम्प्लेक्स की पूरी छत अपनी लीज की बताकर हसन अली को 3 लाख 12 हजार में बेची थी। इसका अनुबंध भी नोटरी के माध्यम से किया गया था।

फरियादी के अनुसार, जब उन्होंने छत का नामांतरण अपने नाम करने को कहा, तो आरोपी लालू और बिचौलिये खुजेमा उर्फ बुरहानुद्दीन ने उसे झांसा दिया कि वे उक्त छूत पर नामांतरण कराने की बजाय तुम रूपये लगाते रहों हम ठेकेदार से यहां पर दुकाने बनवा देते हैं हम दुकान वेचकर सीधे पार्टी का नामांतरण करा देंगे जिससे नामांतरण का पैसा भी बचेगा और हमें दुकान वेचने से अच्छी कमाई होगी। इस पर विश्वास करके फरियादी समय समय पर मो. रफीक उर्फ लालू व बुरहान को ऑनलाईन व नकद रूपये एक करोड़ तीस लाख दिये जा चुके थे। आरोपी लालू ने फरियादी के ही पैसों से छत पर दुकानें बनवाईं, लेकिन बाद में फरियादी को बिना बताए और बिना उसकी सहमति के वे दुकानें अन्य लोगों को बेच दीं। जब फरियादी ने अपने पैसों और स्वामित्व की मांग की तो आरोपियों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया, गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर दो नामजद आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी देने का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

सिवनी के लखनादौन में ट्रक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराया

सिवनी। दोपहर मेट्रो

जिले के लखनादौन नगर में देर रात वार्ड क्रमांक-5 की संकरी सड़क पर ट्रक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गया। जिससे पोल और ट्रक दोनों क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय निवासियों के अनुसार, संकरी सड़क और तीखा मोड़ हादसे का मुख्य कारण माने जा रहे हैं। कुछ लोगों ने यह आशंका भी जताई कि चालक को रास्ते की सही जानकारी न होने के कारण हादसा हुआ होगा। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए।

कुक्षी में देर रात में आबकारी अधिकारी बनकर आए लोगों ने ट्रक चालक से की मारपीट

3 गाड़ियां जब्त, भागे बदमाश, घटना के विरोध में जयस का धरना

धार। दोपहर मेट्रो

कुक्षी-सुसारी मार्ग पर रविवार देर रात्रि में अज्ञात बदमाशों ने जमकर तांडव मचाया। खुद को आबकारी विभाग का अमला बताकर बदमाशों ने एक अनाज से भरे ट्रक को रोका और चालक व उसके साथियों के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की। घटना के विरोध में जयस संगठन के नेतृत्व में पीड़ितों ने रातभर थाने का घेराव किया।

जानकारी के अनुसार घटना रविवार रात करीब 12 बजे की है। अनाज से भरे एक ट्रक को तीन बोलेरो वाहनों में सवार करीब 20-25 लोगों ने बीच रास्ते में रोक लिया। हमलावरों ने खुद को आबाकरी चैकिंग दल का मैनेजर और अधिकारी बताते हुए ट्रक की तलाशी लेने की बात कही। जब ट्रक चालक ने विरोध किया, तो उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट पर उतारू हो गए। जिन बोलेरो वाहनों से ये लोग आए थे, उनमें से दो पर नंबर प्लेट तक नहीं थी। ट्रक चालक द्वारा सूचना दिए जाने पर जब ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुँचे, तो पकड़े जाने के डर से अधिकांश हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। हालांकि पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से तीनों बोलेरो वाहनों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया है।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना के बाद वे रात 2 बजे तक थाने में कार्रवाई का इंतजार करते रहे, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इससे आक्रोशित होकर जयस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविराज बघेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि क्षेत्र में शराब माफियाओं और लुटेरों के हौसले बुलंद हैं और बिना नंबर की गाड़ियां खुलेआम घूम रही हैं। कुक्षी थाना प्रभारी राजेश यादव ने बताया हमने रात में ही तीनों बोलेरो वाहनों को जब्त कर थाने खड़ा करवा लिया है। पुलिस निष्पक्ष जांच के लिए तैयार है और पीड़ितों की शिकायत के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर — प्रसव सामान्य तरीके से हुआ है, लेकिन प्री-मैच्योर होने के चलते बच्चों का वजन कम

महिला ने एक साथ '4 बच्चों' को दिया जन्म, 2 बेटे-2 बेटियों की गूंजी किलकारी

श्योपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में एक परिवार को चौगुनी खुशी मिली है। जिला अस्पताल में रविवार रात एक महिला ने एक साथ 4 बच्चों को जन्म दिया है। जिसमें 2 बेटे और 2 बेटी शामिल हैं। हालांकि प्रसव सामान्य तरीके से हुआ है, लेकिन सातवें महीने में ही प्री-मैच्योर प्रसव होने के चलते बच्चों का वजन कम है, जिसके कारण बच्चों को एसएनसीयू (स्पेशन न्यूबोर्न केयर यूनिट) में भर्ती कराया गया है। बच्चों को 24 घंटे डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। उल्लेखनीय है कि श्योपुर जिला अस्पताल में ही इससे पहले 29 फरवरी 2020 को भी बड़ौदा निवासी एक महिला ने एक साथ 6 बच्चों को जन्म दिया था।

बताया गया है कि वीरपुर तहसील के ग्राम भेरूपुरा निवासी पूजा सुमन (22) पत्नी हुकुम सुमन गर्भवती होने के चलते रविवार की शाम को प्रसव पीड़ा हुआ। जिसके बाद परिजन महिला को

लेकर श्योपुर आए और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान रविवार-सोमवार की रात लगभग 3 बजे के आसपास महिला ने एक साथ 4 बच्चों को जन्म दिया। लेकिन महिला का प्रसव सातवें महीने में ही हो गया, लिहाजा बच्चे भी प्री-मैच्योर हुए और सभी का वजन 780 ग्राम से लेकर 980 ग्राम तक है यानि सभी बच्चे एक किलो से कम वजन के हैं। यही वजह है कि बच्चों की हालत नाजुक होने के चलते सभी को एसएनसीयू में भर्ती कराया गया।

2020 में एक साथ जन्मे थे 6 बच्चे

बता दें कि, श्योपुर जिला अस्पताल में इससे पहले साल 2020 में ऐसी ही खुशखबरी सामने आई थी। एक महिला ने एक साथ 6 नवजातों को जन्म दिया था। हालांकि, अविकसित होने के कारण दो बच्चों की मौत हो गई थी। 4 नवजातों अभी स्वस्थ है। हैरानी वाली बात ये है कि जैसे ही अस्पताल में बाकी लोगों को इस बात की खबर लगी वैसे सभी बच्चों को देखने वार्ड के बाहर खड़े हो गए थे।

7 लाख में एक बार होता है ऐसा

डॉक्टरों के अनुसार, एक साथ चार बच्चों का होना एक दुर्लभ यानी लगभग 7 लाख में एक बार होने वाली घटना है। यह प्रसव एक हाई रिस्क मेडिकल स्थिति है, जिसे विशेषज्ञ द्वारा विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। हालांकि, इसमें सबसे बड़ी चिंता प्रीमैच्योर बर्थ होता है। ऐसा इस लिए क्योंकि महिला का गर्भाशय चार बढ़ते बच्चों को पूर्ण अवधि तक समायोजित करने के लिए डिजाइन नहीं होता। इससे बच्चों ये दिक्कतें हो सकती हैं- सांस लेने में तकलीफ, अविकसित अंग और जन्म के समय कम वजन।

सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने इस पूरी प्रक्रिया पर खड़े किए सवाल, कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू

15,660 करोड़ की डील पर घमासान, राजस्थान रॉयल्स की बिक्री जांच के घेरे में

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स की ओनरशिप डील अब विवादों में घिरती नजर आ रही है। हाल ही में मित्तल फैमिली और अदार पूनावला ने करीब 15,660 करोड़ में राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी खरीदी थी। अब काल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं और कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, सोमानी ग्रुप इस डील के अंतिम चरण में हुए घटनाक्रम से असंतुष्ट है। कंसोर्टियम, जो पहले राजस्थान रॉयल्स के अधिग्रहण की दौड़ में सबसे आगे बताया जा रहा था, अब इस प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठा रहा है।

सूत्रों ने कहा, हमने अमेरिका में अपनी लीगल और पीआर टीम के साथ चर्चा की है। हम अपनी रणनीति तय कर रहे हैं और जल्द ही कानूनी नोटिस भेजा जाएगा। यह कंसोर्टियम अंतरराष्ट्रीय स्तर के बड़े निवेशकों से मिलकर बना था, जिसमें वॉलमार्ट के उत्तराधिकारी रॉब वाल्टन और डेट्रॉइट लायंस से जुड़ा हैम्प परिवार भी शामिल था। बताया जा रहा है कि यह समूह करीब 15,300 करोड़ की डील को अंतिम रूप देने के बेहद करीब पहुंच चुका था। सोमानी ग्रुप ने उन रिपोर्ट्स को खारिज किया है, जिनमें कहा गया था कि वे तय समयसीमा के भीतर भुगतान नहीं कर सके। समूह का दावा है कि वे डील को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार थे, लेकिन प्रक्रिया में जानबूझकर देरी की गई। सूत्रों ने कहा, हम पिछले 10 दिनों से डील क्लोज करने के लिए तैयार थे। बातचीत आखिरी समय तक ईमानदारी से जारी रही, लेकिन जानबूझकर देरी की गई और समानांतर बातचीत भी चलती रही।

कंसोर्टियम का यह भी कहना है कि उन्होंने फ्रेंचाइजी से जुड़े कई अहम सवाल उठाए थे। इनमें बकाया भुगतान, लंबित कानूनी मामले, भविष्य की संचालन संरचना जैसे मुद्दे शामिल थे। इन सवालों पर स्पष्टता नहीं मिलने से दोनों पक्षों के बीच भरोसे में कमी आई।

क्यों टूटी सोमानी ग्रुप संग डील?

रिपोर्ट के मुताबिक, डील टूटने की एक बड़ी वजह फ्रेंचाइजी के भविष्य के मैनेजमेंट ढांचे को लेकर मतभेद भी रहा। खासतौर पर मनोज बडाले की भूमिका को लेकर सहमति नहीं बन सकी। जहां मौजूदा डील में बडाले को फ्रेंचाइजी के भविष्य का अहम हिस्सा माना जा रहा है, वहीं सोमानी कंसोर्टियम उनकी भूमिका को सीमित करना चाहता था। यह अंतर दोनों प्रस्तावों के बीच निर्णायक साबित हुआ। विवाद के बावजूद मित्तल फैमिली और अदार पूनावला के साथ हुई डील फिलहाल ट्रैक पर बनी हुई है। इस समझौते के तहत मित्तल परिवार करीब 75त्न हिस्सेदारी लेगा। वहीं पूनावाला के पास करीब 18त्न हिस्सेदारी होगी। शेष 7त्न हिस्सेदारी मौजूदा निवेशकों के पास रहेगी, जिनमें मनोज बडाले भी शामिल हैं। फ्रेंचाइजी के साथ-साथ पार्ल रॉयल्स और बारबाडोस रॉयल्स जैसी टीमें भी इस वैल्यूएशन में शामिल हैं, जिससे कुल मूल्य करीब 1।65 बिलियन डॉलर (?15,660 करोड़) आंका गया है। यह डील अभी अंतिम रूप से पूरी नहीं हुई है। इसे भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड, कम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल से मंजूरी मिलनी बाकी है। डील के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। हालांकि, सोमानी ग्रुप की संभावित कानूनी कार्रवाई इस प्रक्रिया को जटिल बना सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंसोर्टियम बीसीसीआई को औपचारिक शिकायत भेजने और सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे को उठाने पर भी विचार कर रहा है।

मुंबई इंडियंस का आईपीएल में सबसे बड़ा रन चेज

आठ गेंद शेष रहते लखनऊ को हराया रोहित शर्मा के साथ रिकेल्टन भी चमके

मुंबई, एजेंसी

रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की शानदार साझेदारी की मदद से मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपरजाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया। लखनऊ ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 228 रन बनाए। जवाब में मुंबई के लिए रोहित और रिकेल्टन ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 229 रन बनाकर मैच जीता। ये आईपीएल में मुंबई इंडियंस का सबसे बड़ा रन चेज है। इससे पहले मुंबई ने इसी सीजन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 221 रनों का लक्ष्य हासिल किया था। मुंबई को लगातार तीन हार के बाद जीत मिली है, लेकिन वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर मौजूद है। मुंबई के 10 मैचों में तीन जीत और सात हार के साथ छह अंक हैं। वहीं, लखनऊ सुपर जाएंट्स नौ मैचों में दो जीत और सात हार के साथ चार अंक लेकर 10वें नंबर पर हैं।

रोहित-रिकेल्टन की शानदार साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित और रिकेल्टन ने शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने उतरे थे और इस मैच में वह लय में नजर आए। मुंबई के लिए रोहित ने 44 गेंदों पर छह चौकों और सात छक्कों की मदद से 84 रन बनाए और रिकेल्टन 32 गेंदों पर छह चौकों और आठ छक्कों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुए। रिकेल्टन और रोहित के बीच पहले विकेट के लिए 143 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, रोहित और रिकेल्टन के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। सूर्यकुमार यादव ने 12 और तिलक वर्मा ने 11 रन बनाए। वहीं, नमन धीर 23 रन बनाकर नाबाद रहे और विल जैक्स 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। लखनऊ के लिए मणिमरन सिद्धार्थ ने दो विकेट झटके, जबकि मोहम्मद शमी और मोहसिन खान को एक-एक विकेट मिले।

निकोलस पूरन की तूफानी पारी

इससे पहले, मुंबई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। इस मैच में लखनऊ की बल्लेबाजी शानदार रही। लखनऊ की टीम ने तीसरे ओवर में ही जोस इंग्लिस (13) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद मिचेल मार्श और निकोलस पूरन ने शानदार बल्लेबाजी की। पूरन ने अर्धशतक जड़ने के अलावा सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्शके साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़कर सुपर जाएंट्स को ठोस मंच प्रदान किया। पूरन ने चाहर पर फाइन लेग पर छक्के के साथ सिर्फ 16 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पूरन हालांकि इसके बाद बॉश की गेंद पर विकेटकीपर रेयान रिकेल्टन को कैच दे बैठे। कॉर्बिन बॉश ने इसी ओवर में मार्श को भी नमन के हाथों कैच कराके सुपर जाएंट्स को दोहरा झटका दिया। निकोलस पूरन ने सबसे ज्यादा 21 गेंदों पर एक चौका और आठ छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। वहीं, मिचेल मार्श ने 25 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 44 रन की पारी खेली।

ऋषभ का खराब प्रदर्शन जारी

कप्तान ऋषभ का खराब प्रदर्शन जारी रहा और वह 15 रन बनाने के बाद जैक्स की गेंद पर रिकेल्टन के हाथों लपके गए। हिम्मत सिंह 31 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 40 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि एडेन मार्करम 25 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 31 रन बनाकर नाबाद लौटे। मुंबई की ओर से कॉर्बिन बॉश ने दो विकेट लिए, जबकि एमएम गजनफर, विल जैक्स और रघु शर्मा को एक-एक विकेट मिले।

करोड़ों की कमाई, पर फीका प्रदर्शन!

छह साल से चौंका रह शाहरुख, फिर भी खरीदने को आतुर रहती हैं टीमें

कराची, एजेंसी

आईपीएल में हर साल कुछ खिलाड़ियों पर बोली लगती है, कुछ पर भरोसा जताया जाता है और कुछ नाम ऐसे होते हैं, जिन पर सवाल भी उठते हैं। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर शाहरुख खान उन्हीं खिलाड़ियों में शामिल हैं। पिछले छह वर्षों से फ्रेंचाइजियां उन पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही हैं, लेकिन प्रदर्शन अब तक उस कीमत के बराबर नजर नहीं आया। 2026 सीजन में भी गुजरात टाइटंस ने उन्हें चार करोड़ रुपये में अपने साथ रखा, लेकिन आंकड़े फिर निराश करने वाले हैं। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर भी उनके रोल और कीमत को लेकर बहस तेज है। शाहरुख खान को सबसे पहले 2021 में पंजाब किंग्स ने 5।25 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसके बाद 2022 और 2023 में उन्हें नौ-नौ करोड़ रुपये मिले। फिर गुजरात टाइटंस ने 2024 में उन पर 7।4 करोड़ रुपये खर्च किए। 2025 और 2026 में भी चार-चार करोड़ रुपये देकर टीम ने उन्हें अपने साथ बनाए रखा। यानी छह सीजन में फ्रेंचाइजियों ने लगातार उन पर बड़ा निवेश किया।

शाहरुख खान का हर साल प्रदर्शन

साल	मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ स्कोर	स्ट्राइक रेट
करियर	64	775	58	147.90
2026	9	43	17	130.30
2025	15	179	57	179.00
2024	7	127	58	169.33
2023	14	156	41*	165.96
2022	8	117	26	108.33
2021	11	153	47	134.21

अगर करियर आंकड़ों पर नजर डालें तो शाहरुख खान ने 64 मैचों में 775 रन बनाए हैं। उनका औसत 20।39 और स्ट्राइक रेट 147।90 है। उन्होंने अब तक आईपीएल में एक भी शतक नहीं लगाया है और सिर्फ दो अर्धशतक ही दर्ज हैं। फिनिशर माने जाने वाले खिलाड़ी के लिए ये आंकड़े बहुत प्रभावशाली नहीं माने जाते। आईपीएल 2026 में शाहरुख खान ने नौ मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 43 रन बनाए हैं। उनका औसत 10।75 और स्ट्राइक रेट 130।30 रहा है। सबसे बड़ा स्कोर सिर्फ 17 रन है। इस सीजन में उनके बल्ले से कोई बड़ी पारी तो दूर, एक भी फिफ्टी नहीं निकली। टीम जब फिनिशिंग की उम्मीद करती है, तब आंकड़े उम्मीद से काफी नीचे दिखते हैं। हाल के मुकाबलों में भी शाहरुख खान प्रभाव नहीं छोड़ सके। गुजरात के नौ मैचों में से चार मैचों में तो उन्हें बल्लेबाजी का मौका भी नहीं मिला, जो यह भी दिखाता है कि टीम में उनकी भूमिका पूरी तरह स्थिर नहीं है। उनके बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव किया जा रहा है और यह दिखाता है कि फ्रेंचाइजी को अब भी क्षमता पर भरोसा नहीं है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

सास-ससुर ने बर्बाद की जिंदगी, पाक एक्ट्रेस बोलीं

नहीं चाहिए 4 घंटे का पति, हुईं परेशान

पाकिस्तान की फेमस सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और होस्ट डॉ। नबीहा अली खान अपने बेबाकपन के लिए जाती हैं। लंबे समय से नबीहा अपनी शादीशुदा जिंदगी में आई दरार को लेकर चर्चा में हैं। अब उन्होंने पति संग बिगड़े रिश्तों का जिम्मेदार अपने सास-ससुर को बताया है।

नबीहा का एक टॉक शो से वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो अपने सास-ससुर पर भड़ास निकलाती हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने सास-ससुर पर आरोप लगाया है कि उन्हीं की वजह से उनका घर टूट रहा है। नबीहा वीडियो में कहती दिखीं- ये लोग मेरा घर तोड़ रहे हैं। ये लोग मेरे शौहर पर कब्जा करके बैठे हुए हैं। मेरे शौहर को मेरे पास नहीं आने देते। मेरा पति सारा दिन अपने मां-बाप

के कदमों में बैठा रहता है। वो मुझे बिल्कुल भी टाइम नहीं देता। मुझसे कहता है मैं रात को आऊंगा और सुबह को निकल जाऊंगा। नबीहा रोते हुए बोलीं- मुझे 4 घंटे का शौहर नहीं चाहिए। मैं चाहती हूं कि मेरा पति मुझे अपने साथ रखे। मैं उसके साथ रहना चाहती हूं। इतना तमाशा कर रखा है और सारा इल्जाम मेरे ऊपर लगा देते हैं। मैं रिलेशनशिप एक्सपर्ट हूं, मैं लोगों को बताती हूं कि उन्हें क्या करना चाहिए। मगर इन लोगों ने तो पूरे मुल्क में मेरा ही तमाशा बना दिया। मेरा घर बसने दो। वरना मैं आपके दरवाजे के बाहर आकर अपनी जान दे दूंगी। आपका बेटा भी आजाद हो जाएगा। आप अगर मेरा घर तोड़ेंगे तो मैं भी यही करूंगी।

तलाक चाहती थीं नबीहा

नबीहा अली ने साल 2025 में अपने दोस्त हारिस खोखर संग शादी रचाई थी। मगर शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुरालवालों संग उनकी अनबन शुरू हो गई थी। एक इंटरव्यू में नबीहा ने कहा था कि शादी के बाद रोज-रोज की लड़ाइयों से परेशान होकर वो पति संग तलाक लेने का सोचने लगी थीं।

39 की उम्र में दुल्हन बनेंगी हुमा कुरैशी, ग्रैंड रिसेप्शन से लेकर शादी तक बन गया प्लान

बॉलीवुड गलियारों में जल्द शहनाई बजने वाली है। सुनने में आया है कि एक्ट्रेस हुमा कुरैशी जल्द शादी करने वाली हैं। वो अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रचित सिंह की दुल्हनियां बनने वाली हैं। दोनों का रिश्ता लंबे समय से सुर्खियों में बना हुआ है। इससे पहले दोनों की गुपचुप सगाई करने की खबरें आई थीं। हालांकि अभी तक हुमा ने शादी की इन खबरों पर रिएक्ट नहीं किया है। ना ही वेडिंग डेट अनाउंस की है। मगर फैंस को खुश होने का मौका जरूर मिल गया है। वो एक्ट्रेस को दुल्हन के लुक में देखने का इंतजार कर रहे हैं।

रिपोर्ट में हुमा के अक्टूबर में शादी करने की खबर दी है। जानकारी के मुताबिक, कपल अपना रिश्ता आगे लेकर जाना चाहता है। दोनों ने शादी की तैयारियां भी शुरू कर दीं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा है- हुमा और रचित अक्टूबर के आखिर में या नवंबर में शादी कर सकते हैं। उनकी शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। हुमा इंटीमेट वेडिंग पार्टी कर सकती हैं। इसके बाद इंडस्ट्री के दोस्तों के लिए रिसेप्शन करेंगी। उनकी ये शादी काफी ज्यादा लैविश तो नहीं होगी, लेकिन उनके करीबी दोस्त और परिवारवाले ये शादी अटेंड

करेंगे। एक ग्रैंड रिसेप्शन भी होगा। अभी तो ऐसा लग रहा है मुंबई कपल का रिसेप्शन वेन्यू होगा।

फिल्म थामा की स्क्रीनिंग के वक्त कपल के सगाई की खबरें उड़ी थीं। सूत्रों के मुताबिक, हुमा को रचित ने इंटीमेट प्रपोजल दिया था। अमेरिका ने कपल की सगाई सेरेमनी रखी गई थी। दोनों को अक्सर साथ में देखा जाता है। रचित की बात करें तो वो मुंबई बेस्ड एक्टिंग कोच और ट्रेनर हैं। वो कई बॉलीवुड सेलेब्स संग काम कर चुके हैं। इनमें रणवीर सिंह, विक्की कौशल और तापसी पन्नू जैसे स्टार्स शामिल हैं। वर्कफ्रंट पर हुमा की अपकमिंग मूवी टॉक्सिक- अ फेयरीटेल है।

मेट्रो बाजार

बेंगलुरु 2035 तक दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला शहर बन सकता है : रिपोर्ट

नई दिल्ली। बेंगलुरु 2035 तक दुनिया में सबसे तेजी से विकसित होने वाला बड़ा शहर बन सकता है। इसकी वजह शहर में तेजी से ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और अच्छे टैलेंट का बढ़ना है। प्रॉपर्टी कंसल्टिंग फर्म सैविल्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके इंडेक्स (जिसमें 245 शहरों का आकलन किया गया) ने शीर्ष 20 शहरों में कई भारतीय शहरों को स्थान दिया है और पाया है कि इन सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से 85 प्रतिशत एशिया प्रशांत क्षेत्र के हैं। इंडेक्स में शीर्ष 50 शहरों में से तीन-चौथाई शहर एशिया प्रशांत क्षेत्र के हैं, जिनमें भारत, वियतनाम और चीन अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। युवा और कुशल कार्यबल, बढ़ते आंतरिक प्रवासन और उच्च आय वाले परिवारों की बढ़ती संख्या जैसे कारक शीर्ष बीस शहरों में शामिल भारतीय शहरों के विकास के प्रमुख चालक हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन तेजी से विकसित हो रहे शहरों में रियल एस्टेट बाजारों के तेजी से विकसित होने की उम्मीद है, जिससे सभी क्षेत्रों में निवेशकों और डेवलपर्स के लिए मजबूत अवसर पैदा होंगे।शहरों का मूल्यांकन कई आर्थिक संकेतकों के आधार पर किया गया, जिनमें 2035 तक शहर की जीडीपी वृद्धि, व्यक्तिगत संपत्ति वृद्धि, जनसंख्या निर्भरता अनुपात, आंतरिक प्रवासन और 70,000 डॉलर से अधिक आय वाले परिवारों की संख्या शामिल हैं। इसमें केवल उन्हीं शहरों को शामिल किया गया जिनकी जीडीपी 2025 में 50 अरब डॉलर या उससे अधिक थी।

घरेलू एलपीजी की ऑनलाइन बुकिंग 99 प्रतिशत तक पहुंची, आपूर्ति सामान्य: केंद्र

नई दिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के चलते आई बाधाओं के बावजूद घरेलू एलपीजी की सप्लाई सामान्य बनी हुई है। कुकिंग गैस की ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 99 प्रतिशत तक पहुंच गई और किसी भी रिटेल डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर गैस खत्म होने की स्थिति (ड्राई-आउट) सामने नहीं आई है।

एक आधिकारिक बयान में मंत्रालय ने बताया कि उपभोक्ताओं के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजे जाने वाले ऑथेंटिकेशन कोड के आधार पर होने वाली एलपीजी डिलीवरी बढ़कर करीब 94 प्रतिशत हो गई है, जिससे डिस्ट्रीब्यूटर स्तर पर गैस की कालाबाजारी और डायवर्जन को रोकने में मदद मिल रही है। 1 अप्रैल से अब तक प्रवासी मजदूरों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 5 किलोग्राम के छोटे एलपीजी सिलेंडरों की 23.58 लाख से अधिक बिक्री हो चुकी है।

मंत्रालय के अनुसार, अब तक लगभग 6.12 लाख पीएनजी कनेक्शनों में गैस की आपूर्ति शुरू की जा चुकी है और अतिरिक्त 2.67 लाख कनेक्शनों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। इसके साथ ही मार्च से अब तक करीब 6.79 लाख नए उपभोक्ताओं ने कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बावजूद पेट्रोल और डीजल के खुदरा दाम स्थिर बने हुए हैं। देश भर में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों–इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के पेट्रोल पंपों पर दोनों ईंधनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए देश भर में कार्रवाई जारी है।

ओंकारेश्वर में हवा की गति नापने के लिए लगेगा यंत्र

नावों में ओवर लोडिंग और स्पीड पर होगी कार्रवाई

खंडवा। जबलपुर के बरगी बांध में क्रूज हादसे के बाद ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में चलने वाली नावों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन सजग हो गया है। मौसम बिगड़ने और तेज हवा की वजह से दुर्घटना रोकने के लिए ओंकारेश्वर में वायु की गति और दिशा का पता लगाने के लिए नर्मदा तट पर वायु की गति मापने वाला यंत्र लगाया जाएगा। साथ ही नाव में क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठाने,सभी यात्री लाइफ जैकेट पहनने तथा अवयस्क द्वारा नाव का संचालन नहीं करने के निर्देशों का कड़ाई से पालन करवाने के निर्देश कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने दिए है। समीक्षा बैठक में कलेक्टर गुप्ता ने एसडीएम पुनासा पंकज वर्मा और सीएमओ ओंकारेश्वर मोनिका पारधि को निर्देश दिए कि ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में चलने वाली नावों की गति नियंत्रित रखी जाए।

न्यूज विंडो

अफगानिस्तान का दावा- पाक सेना के हमलों में तीन लोग की मौत

काबुल। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर अपनी सीमा के अंदर हमले करने का गंभीर आरोप लगाया है। अफगान अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों में रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान के उप सरकारी प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने सोशल मीडिया पर बताया कि पूर्वी कुनार प्रांत में हुए इन हमलों में दो स्कूल, दो मस्जिदें और एक स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह बर्बाद हो गए हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान का कहना है कि अफगानिस्तान के ये दावे हाल ही में अफगान क्षेत्र से पाकिस्तान की तरफ हुई गोलीबारी को छिपाने की कोशिश हैं। पाकिस्तान के मुताबिक, मार्च और अप्रैल में अफगान सीमा से हुए हमलों में खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले में नौ महिलाओं और बच्चों की जान गई थी। पाकिस्तान ने कहा कि बाजौर के हमलों ने अफगान शासन की लापरवाही और शर्मनाक हरकतों को दुनिया के सामने ला दिया है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के ताजा दावों पर तकनीकी सवाल भी उठाए हैं। पाकिस्तान का तर्क है कि जो तस्वीरें दिखाई जा रही हैं, वे तोप के गोलों से हुए नुकसान जैसी नहीं लगतीं।

चीनी नागरिक गिरफ्तार, नेपाली नंबर की स्कूटी से भारत में घुसा

जोगबनी (अररिया)। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित जोगबनी एकीकृत चेक पोस्ट (आइसीपी) परसशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 56वीं वाहिनी के जवानों ने एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है। 41 वर्षीय चीनी नागरिक झोउ हुआन चीन के हुनान प्रांत का निवासी बताया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वह नेपाल के विराटनगर से स्कूटी से आइसीपी होते हुए भारतीय सीमा में दाखिल हुआ था।एसएसबी के मुताबिक, वह बिना किसी वैध वीजा, पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेज के भारत में प्रवेश कर रहा था, जिसके चलते उसे तुरंत डिटेन कर लिया गया।एसएसबी के अनुसार, संदिग्ध को आईसीपी जोगबनी पर तैनात ड्यूटी पार्टी ने हिरासत में लिया। आव्रजन अधिकारियों के साथ संयुक्त पूछताछ में यह पुष्टि हुई कि वह बिना वैध वीजा के नेपाल के रास्ते नेपाली नम्बर की स्कूटी से अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहा था कि गेट पर तैनात एसएसबी के हत्थे चढ़ गया। पूछताछ और आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपित को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जोगबनी थाना, को सौंप दिया गया है।

आगरा-बरेली नया एक्सप्रेस-वे: महज 2.5 घंटे में तय होगा सफर

आगरा। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) आगरा-बरेली एक्सप्रेसवे के तीन चरणों का कार्य तेजी से कर रहा है। इसमें मशीनों की संख्या बढ़ा दी गई है। अगले साल दिसंबर में इसे लोगों के लिए शुरू कर दिया जाएगा। इससे आगरा से बरेली की दूरी दो से ढाई घंटे में पूरी हो जाएगी। अभी 6 घंटे से अधिक समय लगता है। परियोजना निदेशक उत्कर्ष शुक्ला ने बताया कि आगरा-बरेली एक्सप्रेसवे (आगरा-बरेली ग्रीन कॉरिडोर) 228 किमी लंबा है। इसकी लागत 7700 करोड़ रुपये है। चार चरणों में यह बनाया जा रहा है। पहला चरण मथुरा से देवीनगर (हाथरस) तक 66 किमी. है। ये तैयार हो गया है और इस पर यातायात भी संचालित हो रहा है।

दूसरे चरण में देवीनगर (हाथरस) से कासगंज तक 57 किमी. है। इसका 62 फीसदी निर्माण हो गया है। तीसरे चरण में कासगंज से बदायूं (46 किमी.) है। इसका कार्य 28 फीसदी हो गया है। बदायूं से बरेली तक 16 फीसदी एक्सप्रेसवे का कार्य पूरा हो गया है। ऐसे में 15 महीने में ये एक्सप्रेसवे बनकर तैयार हो जाएगा और अगले साल दिसंबर में संचालन की उम्मीद है। कई जिलों के लोगों को मिलेगा फायदा एक्सप्रेस-वे बनने से 15 जिलों के लोगों के लिए यातायात की बेहतर व्यवस्था हो जाएगी।

दो दशक से हैं कांग्रेस की राजनीति के केंद्र

राहुल के खाते में 99वीं हार: जनता लगातार नकार रही उनका नेतृत्व

नई दिल्ली , एजेंसी

करीब दो दशकों से राहुल गांधी राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में बने हुए हैं और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेता के तौर पर लगातार सक्रिय रहे हैं। मार्च 2004 में राजनीति में प्रवेश के बाद से उन्होंने कई लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पार्टी के अभियान की कमान संभाली, लेकिन चुनावी नतीजों को लेकर उनके नेतृत्व पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। उन्हें देशभर में 99 बार हार का सामना करना पड़ा है। जनता लगातार उनके नेतृत्व को नकारती रही है।

2026 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की स्थिति: केरल, पुदुचेरी, पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु में हुए विधानसभा चुनाव में केरल को छोड़कर बाकी राज्यों में कांग्रेस के हाथ निराशा लगी। कांग्रेस को केरल में 63, पश्चिम बंगाल में केवल दो, असम में 19, पुदुचेरी में एक सीटें और तमिलनाडु में पांच सीटें मिली। राजनीतिक विश्लेषक रशीद किदवई के अनुसार पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम कांग्रेस के लिए किसी बड़े राजनीतिक सदमे से कम नहीं हैं। केरल को छोड़कर, जहां वाम मोर्चे के खिलाफ दस साल की एंटी-इनकंबेंसी के चलते कांग्रेसनीत यूडीएफ की जीत पहले से ही तय मानी जा रही थी, शेष चार राज्यों के नतीजों ने पार्टी की सांगठनिक कमजोरियों की पोल खोलकर रख दी है। इन नतीजों ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस न तो अपनी पुरानी गलतियों से सबक ले रही है और न ही जोखिम उठाकर नई रणनीति बनाने का साहस दिखा पा रही है। यह न केवल कांग्रेस, बल्कि पूरे इंडिया ब्लॉक के लिए करारा झटका है, जिससे उबरना उसके लिए काफी मुश्किल होगा।

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की चूक

वहीं पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दूसरे चरण में राहुल गांधी द्वारा ममता बनर्जी पर किया गया सीधा हमला इंडिया गठबंधन के लिए आत्मघाती साबित हुआ। ममता की तीखी आलोचना ने भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित कर दिया, जिसका सीधा लाभ भाजपा को मिला। हालांकि, ममता की हार का श्रेय भाजपा के सुनियोजित चुनावी प्रबंधन को ज्यादा दिया जाना चाहिए, लेकिन कांग्रेस की रणनीति ने इस पराजय को और विराट बना दिया। लोकसभा चुनावों में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने जो धाक जमाई थी, वह अब दो साल के भीतर ही खत्म-सी होती नजर आ रही है। दोनों एक बार फिर सिफर पर जा खड़े हुए हैं। भाजपा ने हिंदुत्व का जो नैरेशन गढ़ लिया है, उसकी कोई प्रभावी काट किसी भी विपक्षी दल के पास दिखाई नहीं देती।

तमिलनाडु में खामियां उजागर

किदवई ने कहा कि पश्चिम बंगाल और असम में कांग्रेस ने जैसा प्रदर्शन किया, वह काफी हद तक अपेक्षित भी था, लेकिन तमिलनाडु के नतीजों ने कांग्रेस नेतृत्व की भारी रणनीतिक खामियों को उजागर कर दिया है। अचरज तो इस बात को लेकर है कि पार्टी नेतृत्व राज्य में द्रमुक के खिलाफ पनप रहे सत्ता विरोधी रुझान को भांपने में हर स्तर पर विफल रहा। कांग्रेस के आंतरिक सर्वे भी राज्य में अभिनेता विजय की नई पार्टी 'तमिलगा वेत्री कझगम' (टीवीके) के एक मजबूत ताकत के रूप में उभरने के संकेत दे रहे थे। कांग्रेस के पास टीवीके के साथ गठबंधन करने का तब एक सुनहरा अवसर भी था, जब खुद विजय के पिता एसए चंद्रशेखर ने साल की शुरुआत में स्वयं गठबंधन करने का प्रस्ताव दिया था।

असम चुनाव में कांग्रेस से कहां कमी रह गई?: समस्या यह थी कि वहां भाजपा से लड़ने के बजाय पार्टी के वरिष्ठ नेता आपस में ही सिर-फुटव्वल में लगे रहे। किसी राज्य में चुनावी सफलता के लिए प्रदेश इकाई में जिस तालमेल की दरकार होती है, वह असम में गायब था।

नरसिंहपुर में मरम्मत कार्य के दौरान डीडीएस टैंक गिरा दो मजदूरों की मौत

नरसिंहपुर। महाकोशल सुगर मिल बचई परिसर में स्थित इथेनॉल प्लांट में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एक भीषण हादसा हो गया, जिसमें दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना रात करीब 1.30 बजे की बताई जा रही है, जब प्लांट में अचानक हड़कंप मच गया। प्लांट में लगा विशालकाय डीडीएस टैंक अचानक नीचे आ गिरा, जिसकी चपेट में नीचे काम कर रहे दो मजदूर आ गए। हादसे में खापा शेढ़ निवासी जगदीश पिता लेखराम यादव (32) और सिलवानी निवासी पवन पिता पुरुषोत्तम ठाकुर (30) गंभीर रूप से दब गए थे। टैंक के नीचे दबने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि पवन का शव दो हिस्सों में बंट गया। घटना के बाद फैक्ट्री प्रबंधन में अफरा-तफरी मच गई और तत्काल दोनों मजदूरों को फैक्ट्री की एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी एवं मृतक जगदीश के चचेरे भाई कमलेश ने बताया कि इथेनॉल प्लांट में विगत एक सप्ताह से डीडीएस टैंक की मरम्मत का कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक टैंक के ढहने से यह हादसा हुआ।

कमलेश के अनुसार, जगदीश ने महज तीन माह पूर्व ही प्लांट में काम शुरू किया था और वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का खतरा ओडिशा में कालबैसाखी का अलर्ट

भुवनेश्वर। मई के दूसरे सप्ताह में संभावित चक्रवात को लेकर चिंता बढ़ गई है।मौसम विभाग के अनुसार 8 से 9 मई के बीच केरल तट के पास एक चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जो आगे चलकर तूफान का रूप ले सकता है। हालांकि, यह सिस्टम किस दिशा में बढ़ेगा और कहां लैंडफॉल करेगा, इसे लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है।

सीईसी प्रमुख शरत चंद्र साहू ने बताया कि परिसंचरण बनने के बाद ही इसके मार्ग और तीव्रता का सही आकलन हो सकेगा। फिलहाल विभिन्न विदेशी मौसम मॉडल अलग-अलग संकेत दे रहे हैं। कुछ मॉडल इसे बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ने की संभावना जता रहे हैं, जबकि कुछ में अरब सागर की दिशा भी बताई गई है।इधर, ओडिशा में कालबैसाखी का असर भी जारी है।

मौसम विभाग ने 6 मई तक पश्चिम, तटीय और उत्तर ओडिशा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज बारिश के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार 8 से 10 मई के बीच कालबैसाखी का प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

लैंडफॉल पर सस्पेंस: मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि चक्रवात बनने में अभी 3-4 दिन का समय है। ऐसे में इसके लैंडफॉल को लेकर कोई ठोस अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी।

ब्रांडेड कंपनियों के वेयरहाउस में लगी भीषण आग, करोड़ों स्वाहा

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में कटंगी के पास हाईवे पर लॉजिस्टिक पार्क में सोमवार-मंगलवार दरमियानी रात भीषण आग लग गई। इस घटना में कई ब्रांडेड कंपनियों के करोड़ों रुपए का माल जलकर बर्बाद हो गया है। नगर निगम के 25 वाहनों ने पूरी रात आग पर नियंत्रण पाने के लिए संघर्ष किया।

जबलपुर के महापौर भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आग बहुत बड़े पैमाने पर लगी है, इसलिए नगर निगम ने अपने फायर फाइटिंग के लगभग सभी वाहन उपलब्ध करवाए हैं। जबलपुर के कटंगी बाईपास के पास एक लॉजिस्टिक्स वेयरहाउस में आग लगने की घटना सामने आई है। यह घटना बीती देर रात की है। आग इतनी भीषण थी, कि लपटें दूर से ही नजर आ रही थी।

बड़ा हादसा: ब्राजील में बिल्डिंग से टकराया विमान, पायलट और को-पालयट की मौत

ब्रासीलिया। ब्राजील में एक हल्का विमान अचानक एक बिल्डिंग से टकरा गया। यह हादसा ब्राजील के बेलो होरिजोंटे इलाके में हुआ है। वहीं हादसे के बाद से राहत और बचाव का कार्य शुरू कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक विमान में सवार पायलट और को-पालयट की मौत हो गई है। इसके अलावा विमान में सवार तीन अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। गनीमत रही कि बिल्डिंग में मौजूद लोग हताहत नहीं हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक विमान, बिल्डिंग के सीढ़ी वाले हिस्से की तरफ टकराया था।

बेलो होरिजोंटे में हुआ हादसा

दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के एक बड़े शहर, बेलो होरिजोंटे में यह हादसा हुआ। यहां एक छोटा विमान एक रिहायशी इमारत से टकरा गया। इस दुर्घटना में पायलट और को-पायलट की मौत हो गई, जबकि विमान में सवार तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वहीं मिनास गेरास राज्य के दमकल विभाग ने बताया कि इमारत के अंदर मौजूद किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई है और इमारत के ढहने का 'कोई साफ खतरा' भी नहीं है।

वहीं हादसे के बाद हल्के विमान में सवार तीनों गंभीर रूप से घायल यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक विमान इमारत की सीढ़ियों वाले हिस्से से टकराया था।

विश्व अस्थमा दिवस पिलो कवर और चादर नियमित बदलें, कॉकरोच को दूर रखें तो अस्थमा से 90% तक बच जाएंगे

वायु प्रदूषण से खतरा, मप्र में 9 फीसदी बच्चे अस्थमा के मरीज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में अस्थमा के बढ़ते मामलों के पीछे घर में पनप रहे कॉकरोच बड़ी वजह हैं। इनके मल व लार से निकलने वाले एलर्जन हवा में मौजूद धूलकणों से चिपककर सांस के साथ अंदर चले जाते हैं। इससे श्वांसनली में सूजन, घरघराहट शुरू हो जाती है, जो अस्थमा का रूप ले लेती है।

खासकर बच्चों और महिलाओं को ये खतरा ज्यादा है। हमारे शोध में आया है कि जिन घरों में सफाई कम होती है और किचन या ड्रेनेज एरिया में कॉकरोच हैं, वहां के बच्चों में अस्थमा के लक्षण ज्यादा देखे जा रहे हैं। ओपीडी में रोज 100 मरीज आते हैं तो इसमें से 40% इसी समस्या को लेकर पहुंच रहे हैं।

कैसे पहचानें?... धूल, धुआं और ठंडी चीजों जैसे ट्रिगर्स की पहचान करें और बच्चों को इनसे दूर रखें। सांस फूलने या बार-बार खांसी होने पर डॉक्टर से सलाह लें।

कैसे बचें?... 20 मिनट तक अनुलोम-विलोम और भ्रामरी जैसे प्राणायाम करें। विटामिन मिनरल्स से भरपूर डाइट लें, व्यायाम करें। इन्हेलर का प्रयोग करें।

साथ अंदर जाते हैं: बच्चों में 10 साल में केस दोगुने, डस्ट माइट बीमारी की सबसे बड़ी वजह मप्र में स्कूली बच्चों में अस्थमा 10 वर्षों में 3-4% से बढ़कर 8-9% तक पहुंच गया है। बंद कमरों में कॉकरोच एलर्जेंस व धूल के संपर्क में रहना इसकी वजह है। हालांकि मप्र में सबसे ज्यादा अस्थमा के मरीज डस्ट माइट के कारण बढ़ रहे है। ये सूक्ष्म कीड़ा होता है जो गंदे तकिए, गद्दे, चादर में होता है। हर साल 50% एलर्जिक अस्थमा इसी के कारण होता है। 10-15% मरीजों को ये बीमारी सीजनल होती है। गांवों में आम की बोर, गाजर घास और सोयाबीन की खेती अस्थमा बढ़ा रही है।

ऐसे समझें...प्रदूषण और खान-पान भी बच्चों की सेहत पर भारी

- गाड़ियों का धुआं, फैक्ट्रियों का प्रदूषण व कंस्ट्रक्शन साइट्स की धूल बच्चों के फेफड़े कमजोर कर रही है।
- बच्चे कलरिंग एजेंट और प्रिजर्वेटिव चीजें ज्यादा खा रहे हैं। यह इम्युनिटी को प्रभावित कर रहा है।
- माता-पिता में से किसी एक को अस्थमा है, तो बच्चों में इसके पहुंचने की आशंका 50% तक रहती है।
- पिछले 4 साल में ही एंटी अस्थमा मेडिसिन की बिक्री 50% तक बढ़ी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564